महर्षिसान्दीपनिराष्ट्रियवेदविद्याप्रतिष्ठानम्

(शिक्षामन्त्रालयः,भारतसर्वकारः)

उज्जयिनी

वेद-पाठ्यक्रमः

पाठ्यक्रमसंरचना, पाठ्यक्रमः, उत्तीर्णतानियमाश्च

अनुक्रमणिका

1.	ऋग्वेद शाकल शाखा	1 - 7
2.	शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा	8 - 16
3.	शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा	17 - 23
4.	कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा	24 - 37
5.	सामवेद राणायनीय शाखा	38 - 44
6.	सामवेद कौथुम शाखा	45 - 53
7.	सामवेद जैमिनीय शाखा	54 - 75
8.	अथर्ववेद शौनक शाखा	76 - 82
9.	अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा	83 - 96

नोट -

1. नवीन छात्रों की उच्चारण शुद्धि हेतु अमरकोष पढ़ाएँ (समयानुसार)।
2. वेदमन्त्रों की अक्षुण्ण परम्परा को बनाए रखने हेतु प्रत्येक छात्र का उच्चारण एवं स्वर शुद्ध हो इसका विशेष ध्यान रखते हुए छात्रों को उच्चारण स्थान इत्यादि से परिचित कराये।
3. नवीन छात्रों से उनका गोत्र, शाखा इत्यादि ज्ञात कर उसको स्वशाखाध्ययन कराने का प्रयत्न करें।
4. प्रत्येक वर्ष के पाठ्यक्रम का गुरुमुख से सम्पूर्ण अध्यापन एवं स्वाध्याय पूर्वक कण्ठस्थीकरण उसी वर्ष में पूर्ण करना अनिवार्य है।
5. छात्रों को परम्परागत सस्वर अध्ययन पद्धति से ही वेद अध्यापन कराना अनिवार्य है। जैसे -

   16 सन्था पद्धति

   अथवा

   10 पाठ

   10 वल्लि/दशावृत्ति/सन्था
6. प्रत्येक माह के अन्त में (पढाये गए विषयों की) मासिक परीक्षा कर छात्रों के कण्ठस्थीकरण, उच्चारण आदि की स्थिति का अवलोकन करें। यदि न्यूनता हो तो पूर्ण करें।
7. छात्रों की उच्चारण शुद्धि एवं ज्ञानवर्धन के लिए प्रतिदिन प्रातः एवं सायं सन्ध्या के पश्चात् विष्णुसहस्त्रनाम, महिषासुरमर्दिनी स्तोत्रम्, दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम्, अन्नपूर्णास्तोत्रम्, भजगोविन्दम्, प्रज्ञाविवर्धनस्तोत्रम्, रामरक्षास्तोत्रम् इत्यादि स्तोत्रों का समयानुसार अभ्यास एवं पाठ करें, जिससे भारतीय परम्परा में श्रद्धा एवं उत्साह बना रहें।
8. गतवर्षों का पाठ्यक्रम छात्र को कण्ठस्थ है या नहीं ज्ञात करने हेतु परीक्षण (Assessment) किया जाएगा।
9. परीक्षक को विगत सभी वर्षों के पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछने का पूर्ण अधिकार होगा।
10. सस्वर वेदाध्ययन करने वालों की संख्या शनैः शनैः क्षीण हो रही है। अतः श्रद्धावान्, मेधावान् एवं दार्ढ्य बुद्धि वाले छात्रों की वेदाध्ययन में रुचि उत्पन्न करने हेतु आवश्यक प्रयत्न करना।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

ऋग्वेद शाकल शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)

त्रिकालसन्ध्यावन्दन, अग्निकार्य (समिदाधान), ब्रह्मयज्ञ, भोजनविधि, अभिवादन, यज्ञोपवीत धारण विधि (गोत्र, प्रवर (ऋषि), शाखा, सूत्र इत्यादि)। पाणिनीय शिक्षा।

ऋग्वेद संहिता	अष्टक	अध्याय	वर्ग	मन्त्र
	6	7 (16 वर्ग से) 8	57	318

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम	त्रिकालसन्ध्यावन्दन, अग्निकार्य (समिधादान), ब्रह्मयज्ञ		15	ऋग्वेद में प्रान्ताऽनुसार दो अलग-अलग अध्ययन अध्यापन पद्धतियाँ है। (प्रान्ताऽनुसार अनुसरण करें।) 1. 10 पाठ, 10 वल्लि/ दशावृत्ति/ सन्था 2. 4 पाद सन्था 4 अर्धऋक् सन्था 4 मन्त्र सन्था 4 वर्ग सन्था (गुण्डिका) 3. वल्लि/दशावृत्ति/सन्था सम्पूर्ण होने के पश्चात गुरुजी के सम्मुख (एकावृत्ति) कण्ठस्थ बोले। 4. नये पाठ की (जिसकी वल्लि/दशावृत्ति/ सन्था पूरी हुई हो।) एक वर्ग को 2-2 बार बोलते हुए 15 दिनों तक नियमित आवृत्ति। 5. प्रतिदिन 1 घण्टे आवृत्ति, गुरुजी के सम्मुख। 6. पाणिनीय शिक्षा एक पक्ष में 10 श्लोकों का पाठ एवं कण्ठस्थीकरण।
2	द्वितीय	भोजनविधि, अभिवादन, यज्ञोपवीत धारण विधि (गोत्र, प्रवर (ऋषि), शाखा सूत्र इत्यादि)		10	
3	तृतीय	स्वादिष्टया से सना च सोम	30	10	
4	चतुर्थ	सना च सोम से एते सोमा अभि	39	10	
5	पञ्चम	एते सोमा अभि से सोमः पुनानो	45	10	
6	षष्ठ	सोमः पुनानो से यत् सोम चित्रमुक्थ्यम्	48	10	
7	सप्तम	यत् सोम चित्रं से एष कविरभिष्टुतः	54	10	
8	अष्टम	एष कविरभिष्टुतः से आ नः पवस्व धारया	48	10	
9	नवम	आ नः पवस्व से प्रण इन्दो महेतने	54	10	
10	दशम	पाणिनीय शिक्षा (मूलमात्र)	60 श्लोक		
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			318 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

ऋग्वेद शाकल शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)				
लगध ज्योतिषम् (मूलमात्र)				
ऋग्वेद संहिता	अष्टक	अध्याय	वर्ग	मन्त्र
	7 1	1, 2 (18 वर्ग पर्यन्त) 1 से 6	261	1348

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम	प्र ण इन्दो से पवमानो अजीजनत्	95	10	ऋग्वेद में प्रान्ताऽनुसार दो अलग-अलग अध्ययन अध्यापन पद्धतियाँ है। (प्रान्ताऽनुसार अनुसरण करें।) 1. 10 पाठ, 10 वल्लि/ दशावृत्ति/ सन्था 2. 4 पाद सन्था 4 अर्धऋक् सन्था 4 मन्त्र सन्था 4 वर्ग सन्था (गुण्डिका) 3. वल्लि/दशावृत्ति/सन्था सम्पूर्ण होने के पश्चात गुरुजी के सम्मुख (एकावृत्ति) कण्ठस्थ बोले। 4. नये पाठ की (जिसकी वल्लि/दशावृत्ति/ सन्था पूरी हुई हो।) एक वर्ग को 2-2 बार बोलते हुए 15 दिनों तक नियमित आवृत्ति। 5. प्रतिदिन 2 घण्टे आवृत्ति, (गतवर्ष में पठित सभी अंशों की आवृत्ति अनिवार्य है।) गुरुजी के सम्मुख। 6. लगध ज्योतिषम् एक पक्ष में 5 श्लोक।
2	द्वितीय	पवमानो अजीजनत् से हिन्वन्ति सूरमुस्रयः	105	10	
3	तृतीय	हिन्वन्ति सूरमुस्रयः से प्र देवमच्छा	92	10	
4	चतुर्थ	अग्निमीळे से अयं देवाय	194	10	
5	पञ्चम	अयं देवाय से एतायामोप	185	10	
6	षष्ठ	एतायामोप से अयं वां मधुमत्तमः	173	10	
7	सप्तम	अयं वां से प्र मन्महे शवसानाय	152	10	
8	अष्टम	प्र मन्महे से इन्द्रो मदाय	185	10	
9	नवम	इन्द्रो मदाय से द्वे विरूपे	163	10	
10	दशम	लगध ज्योतिषम् (मूलमात्र)		10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			1348 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

ऋग्वेद शाकल शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)					
पिङ्गलछन्द (मूलमात्र)					
ऋग्वेद संहिता	अष्टक	अध्याय	वर्ग	मन्त्र	
	1 2	7, 8 1 से 8	279	1461	

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम	द्वे विरूपे से इदं श्रेष्ठं ज्योतिषां	179	9	ऋग्वेद में प्रान्ताऽनुसार दो अलग-अलग अध्ययन अध्यापन पद्धतियाँ है। (प्रान्ताऽनुसार अनुसरण करें।) 1. 10 पाठ, 10 वल्लि/ दशावृत्ति/ सन्था 2. 4 पाद सन्था 4 अर्धऋक् सन्था 4 मन्त्र सन्था 4 वर्ग सन्था (गुण्डिका) 3. वल्लि/दशावृत्ति/सन्था सम्पूर्ण होने के पश्चात गुरुजी के सम्मुख (एकावृत्ति) कण्ठस्थ बोले। 4. नये पाठ की (जिसकी वल्लि/दशावृत्ति/ सन्था पूरी हुई हो।) एक वर्ग को 2-2 बार बोलते हुए 15 दिनों तक नियमित आवृत्ति। 5. प्रतिदिन 5 अध्यायों की आवृत्ति, (गतवर्ष में पठित सभी अंशों की आवृत्ति अनिवार्य है।) । 6. पिङ्गलछन्दस् प्रतिदिन 20 मिनट।
2	द्वितीय	इदं श्रेष्ठं से प्र व: पान्तं रघुमन्यवः	135	9	
3	तृतीय	प्र व: पान्तं से सुषुमा यातमद्रिभिः	137	9	
4	चतुर्थ	सुषुमा से वसू रुद्रा पुरुमन्तू	143	9	
5	पञ्चम	वसू रुद्रा से तन्नु वोचाम रभसाय	132	9	
6	षष्ठ	तन्नुवोचाम से ता वा मद्य तावपरं	142	9	
7	सप्तम	ता वा मद्य से नि होता होतृषदने	159	9	
8	अष्टम	नि होतासे सेमामविड्डि प्रभृतिं	157	9	
9	नवम	सेमामविड्डि से मन्दस्व होत्रादनु	137	9	
10	दशम	मन्दस्वहोत्रा से प्रय आरु: शितिपृष्ठस्य	140	9	
11		पिङ्गलछन्द (मूलमात्र)		10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			1461 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

ऋग्वेद शाकल शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)

निघण्टु प्रथम एवं द्वितीयाध्याय

ऋग्वेद संहिता	अष्टक	अध्याय	वर्ग	मन्त्र
	3 4	1 से 8 1 से 3	317	1687

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम	प्र य आरुः से इच्छन्ति त्वा	176	9	ऋग्वेद में प्रान्ताऽनुसार दो अलग-अलग अध्ययन अध्यापन पद्धतियाँ है। (प्रान्ताऽनुसार अनुसरण करें।) 1. 10 पाठ, 10 वल्लि/ दशावृत्ति/ सन्था 2. 4 पाद सन्था 4 अर्धऋक् सन्था 4 मन्त्र सन्था 4 वर्ग सन्था (गुण्डिका) 3. वल्लि/दशावृत्ति/सन्था सम्पूर्ण होने के पश्चात गुरुजी के सम्मुख (एकावृत्ति) कण्ठस्थ बोले। 4. नये पाठ की (जिसकी वल्लि/दशावृत्ति/ सन्था पूरी हुई हो।) एक वर्ग को 2-2 बार बोलते हुए 15 दिनों तक नियमित आवृत्ति। 5. प्रतिदिन 6 अध्यायों की आवृत्ति, (गतवर्ष में पठित सभी अंशों की आवृत्ति अनिवार्य है।) । 6. निघण्टु प्रतिदिन 30 मिनट अध्ययन।
2	द्वितीय	इच्छन्ति त्वा से इन्द्र त्वा वृषभं इन्द्र त्वा वृषभं से धानावन्तं करम्भिणं	137 82	9	
3	तृतीय	धानावन्तं करम्भिणं से न ता मिनन्ति न ता मिनन्ति से वैश्वानराय मी∞हुषे	76 135	9	
4	चतुर्थ	वैश्वानराय से एवात्वामिन्द्र	148	9	
5	पञ्चम	एवात्वा से प्र ऋभुभ्यो	159	9	
6	षष्ठ	प्र ऋभुभ्यो से इदमु त्यत् पुरुतमं	144	9	
7	सप्तम	इदमु त्यत् से त्वामग्ने हविष्मन्तः	152	9	
8	अष्टम	त्वामग्ने से महि महे तवसे	168	9	
9	नवम	महि महे से प्रयुञ्जती दिव एति	146	9	
10	दशम	प्रयुञ्जती से ऋतस्य गोपा	164	9	
11		निघण्टु प्रथम एवं द्वितीयाध्याय		10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			1687 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

ऋग्वेद शाकल शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)				
निघण्टु 3, 4 एवं 5 अध्याय				
ऋग्वेद संहिता	अष्टक	अध्याय	वर्ग	मन्त्र
	4 5	4 से 8 1 से 8	396	2074

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम	ऋतस्य गोपा से त्वं हि क्षैतवद्यशः	177	9	ऋग्वेद में प्रान्ताऽनुसार दो अलग-अलग अध्ययन अध्यापन पद्धतियाँ है। (प्रान्ताऽनुसार अनुसरण करें।) 1. 10 पाठ, 10 वल्लि/ दशावृत्ति/ सन्था 2. 4 पाद सन्था 4 अर्धऋक् सन्था 4 मन्त्र सन्था 4 वर्ग सन्था (गुण्डिका) 3. वल्लि/दशावृत्ति/सन्था सम्पूर्ण होने के पश्चात गुरुजी के सम्मुख (एकावृत्ति) कण्ठस्थ बोले। 4. नये पाठ की (जिसकी वल्लि/दशावृत्ति/ सन्था पूरी हुई हो।) एक वर्ग को 2-2 बार बोलते हुए 15 दिनों तक नियमित आवृत्ति। 5. प्रतिदिन 7 अध्यायों की आवृत्ति, (गतवर्ष में पठित सभी अंशों की आवृत्ति अनिवार्य है।) । 6. निघण्टु प्रतिदिन 30 मिनट अध्ययन।
2	द्वितीय	त्वं हि क्षैतवद्यशः से पिबा सोममभि पिबा सोममभि से य एक इद्व्यश्चर्षणीनाम्	160 68	9	
3	तृतीय	य एक इत् से इन्द्रं वो नरः सख्याय इन्द्रं वो नरः से यज्ञायज्ञा वो	64 176	9	
4	चतुर्थ	यज्ञायज्ञा से स्तुषेनरा दिवः स्तुषेनरा से घृतवती भुवनानामाभिश्रियः	166 75	9	
5	पञ्चम	घृतवती भुवनानां से जुषस्व नः समिधमग्ने जुषस्व नः से उग्रो जज्ञे वीर्याय	68 156	9	
6	षष्ठ	उग्रो जज्ञे से प्र बह्मैतु	165	9	
7	सप्तम	प्र ब्रह्मैतु से यदद्य सूर्य यदद्य सूर्य से आ शुभ्रा यातमश्विना	156 70	9	
8	अष्टम	आ शुभ्रा यातमश्विना से प्रत्यु अदर्श्यायति प्रत्यु आदर्श्यायति से तिस्रो वाचः प्र वद	80 145	9	
9	नवम	तिस्रो वाचः से दूरादिहेव यत्	165	9	
10	दशम	दूरादिहेव से य इन्द्र सोमपातमः	183	9	
11		निघण्टु 3, 4 एवं 5 अध्याय		10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			2074 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

ऋग्वेद शाकल शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण प्रथमवर्ष (उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा XI समकक्ष)

ऐतरेय ब्राह्मण - (1) प्रथम पंचिका 1 अध्याय में तृतीय खण्ड । (2) तृतीय पंचिका 2 अध्याय में 23-24 खण्ड।

ऐतरेय आरण्यक - 2 आरण्यक 5 अध्याय (आत्मषटक) के 3 खण्ड

ऋग्वेद संहिता	अष्टक	अध्याय	वर्ग	मन्त्र
	6 7	1 से 7 (15 वर्ग पर्यन्त) 2 (19 वर्ग से) 6	404	2086

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम	य इन्द्र सोमपातमः से वयमुत्वा म पूर्व्य	206	8	ऋग्वेद में प्रान्ताऽनुसार दो अलग-अलग अध्ययन अध्यापन पद्धतियाँ है। (प्रान्ताऽनुसार अनुसरण करें।) 1. 10 पाठ, 10 वल्लि/ दशावृत्ति/ सन्था 2. 4 पाद सन्था 4 अर्धऋक् सन्था 4 मन्त्र सन्था 4 वर्ग सन्था (गुण्डिका) 3. वल्लि/दशावृत्ति/सन्था सम्पूर्ण होने के पश्चात गुरुजी के सम्मुख (एकावृत्ति) कण्ठस्थ बोले। 4. नये पाठ की (जिसकी वल्लि/दशावृत्ति/ सन्था पूरी हुई हो।) एक वर्ग को 2-2 बार बोलते हुए 15 दिनों तक नियमित आवृत्ति। 5. प्रतिदिन 1 अष्टक की आवृत्ति, (गतवर्ष में पठित सभी अंशों की आवृत्ति अनिवार्य है।) । 6. प्रतिदिन 30 मिनट अध्ययन ब्राह्मण, आरण्यक आदि ।
2	द्वितीय	वयमुत्वा से प्रकृतानि	204	8	
3	तृतीय	प्रकृतानि से त्वावतः पुरूवसो	258	8	
4	चतुर्थ	त्वावतः से आ त्वा रथं	268	8	
5	पञ्चम	आ त्वा रथं से आ प्र द्रव	195	8	
6	षष्ठ	आ प्र द्रव से इन्द्राय सामगायत	197	8	
7	सप्तम	इन्द्राय सामगायत से स्वादिष्ठया मदिष्ठया प्र देवमच्छा से धर्तादिवः धर्ता दिवः से प्र त आशवः पवमान	84 71 57	8	
8	अष्टम	प्र त आशवः से असर्जि वक्वा असर्जि से पुरोजिती	78 138	8	
9	नवम	पुरोजिती से अयं स यस्य	189	8	
10	दशम	अयं स यस्य से नि वर्तध्वं	141	8	
		ऐतरेय ब्रह्मण 1) प्रथम पञ्चिका 1 अध्याय में 3 खण्ड 2) तृतीय पञ्चिका 2 अध्याय में 23-24 खण्ड		10	
		ऐतरेय आरण्यक 2 आरण्यक 5 अध्याय (आत्मषट्क) के 3 खण्ड		10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			2086 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

ऋग्वेद शाकल शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण द्वितीयवर्ष (उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा XII समकक्ष)

ऐतरेय आरण्यक । आत्मङ्क के अवशिष्ट 3 खण्ड । (1) पदपाठ- अग्निमीळे पुरोहितम् । (2) क्रमपाठ- कद्रुदाय प्रचेतसे । (3) जटापाठ- कद्रुदाय प्रचेतसे । (4) घनपाठ-सविता पश्चातात, नवोनवो, शतं जीव शरदो

ऋग्वेद संहिता	अष्टक	अध्याय	वर्ग	मन्त्र
	7 8	7, 8 1 से 8	305	1578

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम	नि वर्तध्वं से प्रमा युयुज्रे	163	9	ऋग्वेद में प्रान्ताऽनुसार दो अलग-अलग अध्ययन अध्यापन पद्धतियाँ है। (प्रान्ताऽनुसार अनुसरण करें।) 1. 10 पाठ, 10 वल्लि/ दशावृत्ति/ सन्था 2. 4 पाद सन्था 4 अर्धऋक् सन्था 4 मन्त्र सन्था 4 वर्ग सन्था (गुण्डिका) 3. वल्लि/दशावृत्ति/सन्था सम्पूर्ण होने के पश्चात गुरुजी के सम्मुख (एकावृत्ति) कण्ठस्थ बोले। 4. नये पाठ की (जिसकी वल्लि/दशावृत्ति/ सन्था पूरी हुई हो।) एक वर्ग को 2-2 बार बोलते हुए 15 दिनों तक नियमित आवृत्ति। 5. प्रतिदिन 1 अष्टक की आवृत्ति, (गतवर्ष में पठित सभी अंशों की आवृत्ति अनिवार्य है।) । 6. प्रतिदिन 30 मिनट पद, क्रम, आरण्यक इत्यादि विषयों का अध्ययन।
2	द्वितीय	प्रमा युयुज्रे से प्र होता जातः प्र होता से तां सु ते कीर्तिं	134 73	9	
3	तृतीय	तां सु ते से ये यज्ञेन दक्षिणया ये यज्ञेन से देवानां नु वयं	88 133	9	
4	चतुर्थ	देवानां नु से वि हि सोतोरसृक्षत	148	9	
5	पञ्चम	वि हि सोतो से हये जाये मनसा	160	9	
6	षष्ठ	हये जाये से उभा उ नूनं	149	9	
7	सप्तम	उभा उ नूनं से तदिदास भुवनेषु	140	9	
8	अष्टम	तदिदास से त्यं चिदत्रि	172	9	
9	नवम	त्यं चिदत्रि सम्पूर्ण अध्याय	218	9	
10	दशम	ऐतरेय आरण्यक आत्मषड्ङ्क के अवशिष्ट 3 खण्ड		9	
11		पदपाठ, क्रमपाठ, जटापाठ, घनपाठ, (1) पदपाठ- अग्निमीळे पुरोहितम् (2) क्रमपाठ- कद्रुदाय प्रचेतसे (3) जटापाठ- कद्रुदाय प्रचेतसे (4) घनपाठ-सविता पश्चातात, नवोनवो, शतं जीव शरदः		10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			1578 **मन्त्र**	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)					
त्रिकालसन्ध्या प्रयोग। अग्निकार्य। भोजनविधि। वैश्वदेव प्रयोग। यज्ञोपवीतधारण प्रयोग । प्रज्ञाविवर्धन स्तोत्र। श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय 12, 15। रामरक्षा स्तोत्र। गणपति अथर्वशीर्ष। श्रीसूक्त। वर्णसमाम्नाय। वर्णोच्चारण विधि। गुरुवन्दना। काण्व संहिता अध्याय 1 से 3 सम्पूर्ण कण्ठस्थीकरण।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	त्रिकालसन्ध्या प्रयोग, प्रज्ञाविवर्धन स्तोत्र		10	1. छात्र नित्य त्रिकाल सन्ध्या एवं अग्निकार्य अत्यन्त श्रद्धायुक्त होकर त्रिकालसन्ध्या के समय का ध्यान में रखकर अनिवार्य रूप से करें। 2. प्रतिदिन सायंकालीन सन्ध्या के पश्चात् अधीत स्तोत्रादि का पाठ करें। 3. वेदारंभ से पूर्व अध्यापक छात्रों को वर्णोच्चारण के स्थान, काल, मात्रा, आदि समझाकर उनसे शुद्ध उच्चारण करावें। 4. संहिता का अध्ययन पारंपारिक सन्था पद्धति से करें। 5. सन्था पद्धती के अनुसार आरंभिक काल में पादशः सन्था शुद्ध उच्चारण होने तक करावें। 6. छात्रों द्वारा शुद्ध उच्चारण होने पर 16 सन्था अपने समक्ष करावे जिसमें चरण सन्था 4 बार। अर्द्धरीसन्था 4 बार। मन्त्र सन्था 4 बार। अनुवाक सन्था 4 बार। इस प्रकार 16 सन्थाए पूर्ण करावें। 7. अधीत मंत्रों को कण्ठगत कर अध्यापक को कण्ठस्थ सुनावे। 8. प्रत्येक कण्ठस्थ विषय की आवृत्ति छात्र प्रतिदिन करें। 9. मंत्रों की सन्था तथा आवृत्ति की परम्परा को ध्यान में रखते हुवें। छात्र अध्यापक के आदेशों का यथावत् पालन करें।
2	द्वितीय माह	अग्निकार्य, भोजनविधि, श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय 12,15,		10	
3	तृतीय माह	वैश्वदेव प्रयोग, यज्ञोपवीत धारण प्रयोग, रामरक्षा स्तोत्र		10	
4	चतुर्थ माह	वर्णसमाम्नाय, वर्णोच्चारण विधि, गणपति अथर्वशीर्ष, श्रीसूक्त		10	
5	पञ्चम माह	गुरुवन्दना, काण्व संहिता अध्याय 3 अनुवाक 1, 2	16	10	
6	षष्ठ माह	काण्व संहिता अध्याय 3 अनुवाक 3 से 5	40	10	
7	सप्तम माह	काण्व संहिता अध्याय 3 अनुवाक 6 से 9 काण्व संहिता अध्याय 1 अनुवाक 1 से 4	20 19	10	
8	अष्टम माह	काण्व संहिता अध्याय 1 अनुवाक 5 से 10	31	10	
9	नवम माह	काण्व संहिता अध्याय 2 अनुवाक 1 से 3	29	10	
10	दशम माह	काण्व संहिता अध्याय 2 अनुवाक 4 से 7	31	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			186 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)					
ब्रह्मयज्ञ प्रयोग । नित्यतर्पण प्रयोग । काण्व संहिता अध्याय 4 से 12 । पाणिनीय शिक्षा । पारस्कर गृह्यसूत्र 1 काण्ड 1 से 4 कंडिका । विष्णुसहस्त्रनाम स्तोत्र ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	काण्व संहिता अध्याय 4 सम्पूर्ण, ब्रह्मयज्ञ प्रयोग	49 मन्त्र	10	1. छात्र नित्य त्रिकाल सन्ध्या एवं अग्निकार्य अत्यन्त श्रद्धायुक्त होकर त्रिकालसन्ध्या के समय का ध्यान में रखकर अनिवार्य रूप से करें। 2. प्रतिदिन सायंकालीन सन्ध्या के पश्चात् अधीत स्तोत्रादि का पाठ करें। 3. अध्यापक छात्रों को वर्णोच्चारण के स्थान, काल, मात्रा, आदि समझाकर उनसे शुद्ध उच्चारण करावें। 4. संहिता का अध्ययन पारंपारिक सन्था पद्धति से करें। 5. सन्था पद्धती के अनुसार आरंभिक काल में पादशः शुद्ध उच्चारण होने तक करावें। 6. छात्रों द्वारा शुद्ध उच्चारण होने पर 16 सन्था अपने समक्ष करावे जिसमें चरण सन्था 4 बार। अर्द्धरीसन्था 4 बार। मन्त्र सन्था 4 बार। अनुवाक सन्था 4 बार। इस प्रकार 16 सन्थाए पूर्ण करावें। 7. अधीत मंत्रों को कण्ठगत कर छात्र अध्यापक को कण्ठस्थ सुनावे। 8. गतवर्षीय कंठस्थ अध्यायों की आवृत्ति प्रतिदिन करें। 9. ब्रह्मयज्ञ एवं नित्यतर्पण प्रतिदिन माध्याह्न संध्योपरांत करें। 10. पाणिनीय शिक्षा मूलमात्र
2	द्वितीय माह	काण्व संहिता अध्याय 5 सम्पूर्ण, नित्यतर्पण प्रयोग	55 मन्त्र	10	
3	तृतीय माह	काण्व संहिता अध्याय 6 सम्पूर्ण	50 मन्त्र	10	
4	चतुर्थ माह	काण्व संहिता अध्याय 7 सम्पूर्ण	40 मन्त्र	10	
5	पञ्चम माह	काण्व संहिता अध्याय 8 सम्पूर्ण, विष्णुसहस्त्रनाम स्तोत्र	32 मन्त्र	10	
6	षष्ठ माह	काण्व संहिता अध्याय 9 सम्पूर्ण	46 मन्त्र	10	
7	सप्तम माह	काण्व संहिता अध्याय 10 सम्पूर्ण	43 मन्त्र	10	
8	अष्टम माह	काण्व संहिता अध्याय 11 सम्पूर्ण, पाणिनीय शिक्षा मन्त्र 1 से 5 अथ शिक्षां से स्वराणां पर्यन्त	47 मन्त्र	10	
9	नवम माह	काण्व संहिता अध्याय 12 अनुवाक 1 से 4 पाणिनीय शिक्षा मन्त्र 6 से 11 यथा सौराष्ट्रिका से शंकरः शांकरीम् पर्यन्त	50 मन्त्र	10	
10	दशम माह	काण्व संहिता अध्याय 12 अनुवाक 5 से 7, पारस्कर गृह्यसूत्र 1 काण्ड 1 से 4 कंडिका	35 मन्त्र	10	

					मन्त्र पद्धति के अनुसार सस्वर अध्ययन करें। 11 इस वर्ष पाठ्यक्रमानुसार संहिता के अध्यायों की सन्था अध्यापक के द्वार चरण सन्था 2 बार एवम् अर्द्धरि सन्था 2 बार ग्रहण करें शेष 12 सन्था छात्र अपने सहाध्यायियों के साथ अध्यापक के निर्देश में करें। 12. कंठस्थ अध्यायों कि आवृत्ति समूह में प्रतिदिन करें। 13. मंत्रों की सन्था तथा आवृत्ति की परम्परा को ध्यान में रखते हुवें। छात्र अध्यापक के आदेशों का यथावत् पालन करें।
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			447 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)					
काण्व संहिता अध्याय 13 से 20 । पारस्कर गृह्यसूत्र 1 काण्ड 5 से 24 कंडिका । पिङ्गलछन्दसूत्र मूलमात्र सम्पूर्ण					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	काण्व संहिता अध्याय 13 अनुवाक संख्या 1 से 4	62 मन्त्र	10	1. छात्र नित्य त्रिकाल सन्ध्या एवं अग्निकार्य अत्यन्त श्रद्धायुक्त होकर त्रिकालसन्ध्या के समय का ध्यान में रखकर अनिवार्य रूप से करें। 2. प्रतिदिन सायंकालीन सन्ध्या के पश्चात् अधीत स्तोत्रादि का पाठ करें। 3. अधीत मंत्रों को कण्ठगत कर अध्यापक को कण्ठस्थ सुनावे। 4. प्रथम से द्वितीय वर्ष के अधीत अध्यायों की आवृत्ति प्रतिदिन 5 अध्याय इस प्रकार करें। साथ ही इस वर्ष के अधीत अध्यायों की भी आवृत्ति प्रतिदिन करें।
2	द्वितीय माह	काण्व संहिता अध्याय 13 अनुवाक संख्या 5 से 7	54 मन्त्र	10	
3	तृतीय माह	काण्व संहिता अध्याय 14 सम्पूर्ण	65 मन्त्र	10	
4	चतुर्थ माह	काण्व संहिता अध्याय 15 सम्पूर्ण काण्व संहिता अध्याय 16 अनुवाक संख्या 1 से 3	35 मन्त्र 30 मन्त्र	10	
5	पञ्चम माह	काण्व संहिता अध्याय 16 अनुवाक संख्या 4 से 7	55 मन्त्र	10	
6	षष्ठ माह	काण्व संहिता अध्याय 17 सम्पूर्ण	64 मन्त्र	10	
7	सप्तम माह	काण्व संहिता अध्याय 18 अनुवाक संख्या 1 से 5	64 मन्त्र	10	
8	अष्टम माह	काण्व संहिता अध्याय 18 अनुवाक संख्या 6 से 7 काण्व संहिता अध्याय 19 सम्पूर्ण	22 मन्त्र 43 मन्त्र	10	
9	नवम माह	काण्व संहिता अध्याय 20 सम्पूर्ण	46 मन्त्र	10	
10	दशम माह	पारस्कर गृह्यसूत्र 1 काण्ड 5 से 24 कंडिका पिङ्गलछन्दसूत्र	20 10	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			540 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)					
काण्व संहिता अध्याय 21 से 30। पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 1 से 20 कंडिका। बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 1 सम्पूर्ण कण्ठस्थीकरण ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	काण्व संहिता अध्याय 21 अनुवाक 1 से 3, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 1 से 2 कंडिका	50 मन्त्र	10	1. छात्र नित्य त्रिकाल सन्ध्या एवं अग्निकार्य अत्यन्त श्रद्धायुक्त होकर त्रिकालसन्ध्या के समय का ध्यान में रखकर अनिवार्य रूप से करें। 2. प्रतिदिन सायंकालीन सन्ध्या के पश्चात् अधीत स्तोत्रादि का पाठ करें। 3. बृहदारण्यकोपनिषद् की सन्था अध्यापक के द्वारा कम से कम 5 बार ग्रहण करें। पश्चात् समूह में चरण सन्था एवं कंडिका सन्था इस प्रकार कम से कम 10-10 बार करके कण्ठस्थ करें । 4. प्रथम वर्ष से तृतीय वर्ष के अधीत अध्यायों की प्रतिदिन 5 इसप्रकार समूह में आवृत्ति करें। 5. इस वर्ष के कण्ठस्थ अध्यायों की आवृत्ति प्रतिदिन करें।
2	द्वितीय माह	काण्व संहिता अध्याय 21 अनुवाक 4 से 7, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 3 से 4 कंडिका,	56 मन्त्र	10	
3	तृतीय माह	काण्व संहिता अध्याय 22 सम्पूर्ण, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 5 से 6 कंडिका,	75 मन्त्र	10	
4	चतुर्थ माह	काण्व संहिता अध्याय 23 सम्पूर्ण, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 7 से 8 कंडिका	60 मन्त्र	10	
5	पञ्चम माह	काण्व संहिता अध्याय 24 सम्पूर्ण, काण्व संहिता अध्याय 25 अनुवाक 1 से 4, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 9 से 10 कंडिका	47 19	10	
6	षष्ठ माह	काण्व संहिता अध्याय 25 अनुवाक 5 से 10, काण्व संहिता अध्याय 26 अनुवाक 1 से 3, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 11 से 12 कंडिका	48 19	10	

7	सप्तम माह	काण्व संहिता अध्याय 26 अनुवाक 4 से 8, काण्व संहिता अध्याय 27 सम्पूर्ण, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 13 से 14 कंडिका	25 45	10	
8	अष्टम माह	काण्व संहिता अध्याय 28 सम्पूर्ण, काण्व संहिता अध्याय 29 सम्पूर्ण, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 14 से 16 कंडिका	14 50	10	
9	नवम माह	काण्व संहिता अध्याय 30 सम्पूर्ण, बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 1 ब्राह्मण 1 से 3, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 17 से 18 कंडिका	46	10	
10	दशम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 1 ब्राह्मण 4 से 6, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 19 से 20 कंडिका		10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			554 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)					
काण्व संहिता अध्याय 31 से 40 । बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 2, 3 सम्पूर्ण कण्ठस्थीकरण । निघण्टु अध्याय 1 से 5 कण्ठस्थीकरण ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	काण्व संहिता अध्याय 31 सम्पूर्ण काण्व संहिता अध्याय 32 अनुवाक संख्या 1	51 मन्त्र 14 मन्त्र	10	1. छात्र नित्य त्रिकाल सन्ध्या एवं अग्निकार्य अत्यन्त श्रद्धायुक्त होकर त्रिकालसन्ध्या के समय का ध्यान में रखकर अनिवार्य रूप से करें। 2. प्रतिदिन सायंकालीन सन्ध्या के पश्चात् अधीत स्तोत्रादि का पाठ करें। 3. बृहदारण्यकोपनिषद् की सन्था अध्यापक के द्वारा कम से कम 5 बार ग्रहण करें। पश्चात् समूह में चरण सन्था एवं कंडिका सन्था इस प्रकार कम से कम 10-10 बार करके कण्ठस्थ करें । 4. बृहदारण्यकोपनिषद् के कंठस्थ अध्याय की प्रतिदिन आवृत्ति करें। 5. निघण्टु विषय की सन्था अध्यापक द्वारा 3 बार स्वयं द्वारा 7 बार इस प्रकार करें। 6. प्रथम से चतुर्थ वर्ष तक के अधीत अध्यायों की प्रतिदिन 5 अध्याय इसप्रकार समूह में आवृत्ति करें। 7. इस वर्ष के कण्ठस्थ अध्यायों की आवृत्ति प्रतिदिन करें।
2	द्वितीय माह	काण्व संहिता अध्याय 32 अनुवाक संख्या 2 से 6	70 मन्त्र	10	
3	तृतीय माह	काण्व संहिता अध्याय 33 सम्पूर्ण, काण्व संहिता अध्याय 34 सम्पूर्ण	46 मन्त्र 22 मन्त्र	10	
4	चतुर्थ माह	काण्व संहिता अध्याय 35 सम्पूर्ण, काण्व संहिता अध्याय 36 सम्पूर्ण	55 मन्त्र 24 मन्त्र	10	
5	पञ्चम माह	काण्व संहिता अध्याय 37 संपूर्ण, काण्व संहिता अध्याय 38संपूर्ण	20 मन्त्र 27 मन्त्र	10	
6	षष्ठ माह	काण्व संहिता अध्याय 39 सम्पूर्ण, काण्व संहिता अध्याय 40 सम्पूर्ण, निघण्टु अध्याय 1	12 मन्त्र 18 मन्त्र	10	
7	सप्तम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 2 ब्राह्मण 1-3, निघण्टु अध्याय 2	30 कंडिका	10	
8	अष्टम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 2 ब्राह्मण 4-6, निघण्टु अध्याय 3	36 कंडिका	10	
9	नवम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 3 ब्राह्मण 1-7, निघण्टु अध्याय 4	52 कंडिका	10	
10	दशम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 3 ब्राह्मण 8-9, निघण्टु अध्याय 5	40 कंडिका	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			359 मन्त्र 158 कंडिका	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण प्रथमवर्ष (उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा XI समकक्ष)					
पुरुषसूक्त । उत्तरनारायणसूक्त । विष्णुसूक्त । सरस्वतीसूक्त । मेधासूक्त । रुद्रसूक्त (नमस्ते रुद्र 1 अनुवाक) । शांतिसूक्त (आ नो भद्रा) । ईशावास्य सम्पूर्ण अध्याय (पदपाठ)। समिधाग्निं सम्पूर्ण अध्याय । अग्निसूक्त (समास्त्वा 1 अनुवाक) सभी सूक्तों का पदपाठ कण्ठस्थीकरण । लगध ज्योतिष (मूलमात्र) । बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 4 सम्पूर्ण कण्ठस्थीकरण । शुक्ल यजुर्वेद प्रातिशाख्य अध्याय 8 (मूलमात्र) ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	पुरुषसूक्त, उत्तरनारायणसूक्त, विष्णुसूक्त (पदपाठ)	30 मन्त्र	10	1. छात्र नित्य त्रिकाल सन्ध्या एवं अग्निकार्य अत्यन्त श्रद्धायुक्त होकर त्रिकालसन्ध्या के समय का ध्यान में रखकर अनिवार्य रूप से करें। 2. प्रतिदिन सायंकालीन सन्ध्या के पश्चात् अधीत स्तोत्रादि का पाठ करें। 3. पदपाठ के मन्त्रों की सन्था अध्यापक द्वारा 4 बार ग्रहण करें। स्वयं 8 बार कर के अध्याय कण्ठस्थ करें। 4. पदपाठ के मन्त्रों को कण्ठगत कर के अध्यापक को कण्ठस्थ सुनावें। कण्ठस्थ मन्त्रों की प्रतिदिन आवृत्ति करें। 5. पाठ्यक्रमानुसार प्रातिशाख्य के अष्टम अध्याय के सूत्रों को कण्ठस्थ करें। 6. संहिता के अध्यायों को प्रतिदिन 10 अध्याय इस प्रकार आवृत्ति करें। प्रत्येक माह में कम से कम 5 पारायण पूर्ण होंगे।
2	द्वितीय माह	सरस्वतीसूक्त, मेधासूक्त, रुद्रसूक्त (नमस्ते रुद्र 1 अनुवाक) (पदपाठ)	29 मन्त्र	10	
3	तृतीय माह	शांतिसूक्त (आ नो भद्रा), ईशावास्य सम्पूर्ण अध्याय (पदपाठ)	28 मन्त्र	10	
4	चतुर्थ माह	समिधाग्निं (3 अध्याय 1 से 30 मन्त्र) (पदपाठ)	30 मन्त्र	10	
5	पञ्चम माह	समिधाग्निं (3 अध्याय 31 से 58 मन्त्र) (पदपाठ)	27 मन्त्र	10	
6	षष्ठ माह	समिधाग्निं (3 अध्याय 59 से 76 मन्त्र) (पदपाठ) अग्निसूक्त (समास्त्वा 1 अनुवाक) (पदपाठ)	18 मन्त्र 10 मन्त्र	10	
7	सप्तम माह	शुक्ल यजुर्वेद प्रातिशाख्य अध्याय 8 (मूलमात्र)	62 सूत्र	10	
8	अष्टम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 4 ब्राह्मण 1 - 3	49 कंडिका	10	
9	नवम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 4 ब्राह्मण 4 - 5	40 कंडिका	10	
10	दशम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 4 ब्राह्मण 6, लगध ज्योतिष सम्पूर्ण	3 कंडिका	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			172 मन्त्र 92 कंडिका	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण द्वितीयवर्ष (उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा XII समकक्ष)

पुरुषसूक्त। उत्तरनारायणसूक्त। विष्णुसूक्त। सरस्वतीसूक्त। मेधासूक्त। रुद्रसूक्त (नमस्ते रुद्र 1 अनुवाक)। शांतिसूक्त (आ नो भद्रा)। ईशावास्य सम्पूर्ण अध्याय (क्रमपाठ) समिधाग्निं सम्पूर्ण अध्याय। अग्निसूक्त (समास्त्वा 1 अनुवाक) सभी सूक्तों का क्रमपाठ कण्ठस्थीकरण। पुरुषसूक्त एवं उत्तरनारायणसूक्त का जटा एवं घनपाठ। अष्टविकृतिलक्षण (चरणव्यूहानुसार) 1-1मन्त्र उदाहरण। बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 5-6 सम्पूर्ण कण्ठस्थीकरण।

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम माह	पुरुषसूक्त, उत्तरनारायण सूक्त, विष्णु सूक्त (क्रमपाठ)	30	10	1. छात्र नित्य त्रिकाल सन्ध्या एवं अग्निकार्य अत्यन्त श्रद्धायुक्त होकर त्रिकालसन्ध्या के समय का ध्यान में रखकर अनिवार्य रूप से करें। 2. पूर्ववर्षीय पाठ्यक्रमानुसार पदपाठ के कण्ठस्थ सूक्तों की प्रतिदिन आवृत्ति करें। 3. क्रमपाठ की सन्धियों को ठीक से समझकर अध्यापक द्वारा 4 बार तथा स्वयं 8 बार सन्था करें। 4. संहिता के अध्यायों को प्रतिदिन 10 अध्याय इस प्रकार आवृत्ति करें। प्रत्येक माह में कम से कम 5 पारायण पूर्ण होंगे।
2	द्वितीय माह	सरस्वती सूक्त, मेधासूक्त, रुद्रसूक्त (नमस्ते रुद्र 1 अनुवाक) (क्रमपाठ)	29	10	
3	तृतीय माह	शांतिसूक्त (आनोभद्रा) ईशावास्य सम्पूर्ण अध्याय (क्रमपाठ)	28	10	
4	चतुर्थ माह	समिधाग्निं (3 अध्याय 1 से 30 मन्त्र) (क्रमपाठ)	30 मन्त्र	10	
5	पञ्चम माह	समिधाग्निं (3 अध्याय 31 से 58 मन्त्र) (क्रमपाठ)	27 मन्त्र	10	
6	षष्ठ माह	समिधाग्निं (3 अध्याय 59 से 76 मन्त्र) (क्रमपाठ) अग्निसूक्त (समास्त्वा 1 अनुवाक)	18 मन्त्र 10 मन्त्र	10	
7	सप्तम माह	पुरुषसूक्त एवं उत्तरनारायणसूक्त का जटा एवं घनपाठ। अष्टविकृति लक्षण (चरणव्यूहानुसार) तथा 1-1 मन्त्र उदाहरण	22 मन्त्र 8 मन्त्र	10	
8	अष्टम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 5 ब्राह्मण सं. 1 से 15 पर्यन्त	30 कंडिका	10	
9	नवम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 6 ब्राह्मण सं. 1 से 3 पर्यन्त	43 कंडिका	10	
10	दशम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 6 ब्राह्मण सं. 4 से 5 पर्यन्त	32 कंडिका	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			172 क्रमपाठ 22 जटापाठ 105 कंडिका	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)					
त्रिकालसंध्या । भोजनविधि । प्रज्ञाविवर्धनस्तोत्र । समिदाधानप्रयोग । रामरक्षास्तोत्र । ब्रह्मयज्ञप्रयोग । विष्णुसहस्रनाम । वैश्वदेवप्रयोग । गीता अध्याय 12, 15 । यज्ञोपवीतधारणप्रयोग । संहिता अध्याय 1-3 ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	त्रिकालसंध्या		10	1. प्रत्येक विषय के कण्ठस्थीकरण के लिये न्यूनतम 16 सन्था करें। 2 पादार्ध, पाद, मन्त्रार्ध और पूर्ण मन्त्र इस क्रम से सन्था करें। उदा. 2 सन्था पादार्ध की, 3 सन्था पाद की, 5 सन्था मन्त्रार्ध की, 6 सन्था सम्पूर्ण मन्त्र की 3. सन्था पद्धति से प्रत्येक विषय कण्ठस्थ होने के उपरान्त विद्यार्थी वह विषय गुरु जी को सुनायें। 4. प्रत्येक अधीत विषय की प्रतिदिन न्यूनतम तीन बार आवृत्ति करें। 5. प्रथमवर्ष के पाठ्यक्रम में प्रत्येक विषय के अध्यापन पश्चात् छात्र का 16 सन्था पूर्ण होने तक का अध्ययन अध्यापक की उपस्थिति में होना अत्यावश्यक है।
2	द्वितीय माह	भोजनविधि, प्रज्ञाविवर्धनस्तोत्र		10	
3	तृतीय माह	समिदाधानप्रयोग, रामरक्षास्तोत्र		10	
4	चतुर्थ माह	ब्रह्मयज्ञप्रयोग, विष्णुसहस्रनाम		10	
5	पञ्चम माह	वैश्वदेवप्रयोग, गीता अध्याय 12, 15		10	
6	षष्ठ माह	यज्ञोपवीतधारणप्रयोग		10	
7	सप्तम माह	संहिता अध्याय 3 अनुवाक 1-4	36	10	
8	अष्टम माह	संहिता अध्याय 3 अनुवाक 5-10	27	10	
9	नवम माह	संहिता अध्याय 1	31	10	
10	दशम माह	संहिता अध्याय 2	34	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			128 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)					
संहिता अध्याय 4 से 12 । याज्ञवल्क्यशिक्षा ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	संहिता अध्याय 4, संहिता अध्याय 5 (अनुवाक 1 से 5)	58	10	1. प्रत्येक विषय के कण्ठस्थीकरण के लिये न्यूनतम 16 सन्था करें। 2 पादार्ध, पाद, मन्त्रार्ध और पूर्ण मन्त्र इस क्रम से सन्था करें। उदा. 2 सन्था पादार्ध की, 3 सन्था पाद की, 5 सन्था मन्त्रार्ध की, 6 सन्था सम्पूर्ण मन्त्र की 3. प्रथम वर्ष तथा वर्तमान वर्ष में अधीत सभी विषयों की प्रतिदिन आवृत्ति करें। 4. सन्था पद्धति से प्रत्येक विषय कण्ठस्थ होने के उपरान्त विद्यार्थी वह विषय गुरु जी को सुनायें। 5. याज्ञवल्क्यशिक्षा का अध्ययन डॉ. नरेश झा संपादित पुस्तक से करें। 6. इस वर्ष के पाठ्यक्रम में प्रत्येक विषय की 8 सन्था अध्यापक द्वारा तथा शेष सन्था स्वयं छात्र द्वारा होनी चाहिये।
2	द्वितीय माह	संहिता अध्याय 5 (अनुवाक 6 से 10), संहिता अध्याय 6 सम्पूर्ण	59	10	
3	तृतीय माह	संहिता अध्याय 7 सम्पूर्ण, संहिता अध्याय 8 (अनुवाक 1 से 5)	62	10	
4	चतुर्थ माह	संहिता अध्याय 8 (अनुवाक 6 से 23), संहिता अध्याय 9 (अनुवाक 1 से 2)	58	10	
5	पञ्चम माह	संहिता अध्याय 9 (अनुवाक 3 से 8), संहिता अध्याय 10 सम्पूर्ण	65	10	
6	षष्ठ माह	संहिता अध्याय 11 (अनुवाक 1 से 5),	60	10	
7	सप्तम माह	संहिता अध्याय 11 (अनुवाक 6 से 7), संहिता अध्याय 12 (अनुवाक 1 से 3)	67	10	
8	अष्टम माह	संहिता अध्याय 12 (अनुवाक 4 से 7)	73	10	
9	नवम माह	याज्ञवल्क्यशिक्षा - अथातः स्त्रैस्वर्य. से उच्चस्थानगते. पर्यन्त		10	
10	दशम माह	याज्ञवल्क्यशिक्षा - स्वरास्पर्शान्तः से समाप्ति पर्यन्त		10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			502 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)					
संहिता अध्याय 13 से 20 । पारस्करगृह्यसूत्र प्रथम काण्ड सम्पूर्ण ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	संहिता अध्याय 13 सम्पूर्ण	53	5	1. प्रत्येक विषय के कण्ठस्थीकरण के लिये न्यूनतम 16 सन्था करें। 2 पादार्ध, पाद, मन्त्रार्ध और पूर्ण मन्त्र इस क्रम से सन्था करें। उदा. 2 सन्था पादार्ध की, 3 सन्था पाद की, 5 सन्था मन्त्रार्ध की, 6 सन्था सम्पूर्ण मन्त्र की 3. प्रथम वर्ष से अधीत सभी विषयों की प्रतिदिन न्यूनतम 2 घंटे आवृत्ति करें। 4. सन्था पद्धति से प्रत्येक विषय कण्ठस्थ होने के उपरान्त विद्यार्थी वह विषय गुरु जी को सुनायें। 5. इस वर्ष के पाठ्यक्रम में प्रत्येक विषय की 8 सन्था अध्यापक द्वारा तथा शेष सन्था स्वयं छात्र द्वारा होनी चाहिये।
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	1-2 कंडिका	5	
2	द्वितीय माह	संहिता अध्याय 14 सम्पूर्ण संहिता अध्याय 15 (अनुवाक 1-4)	50	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	3-4 कंडिका	5	
3	तृतीय माह	संहिता अध्याय 15 (अनुवाक 5-7) संहिता अध्याय 16 (अनुवाक 1)	62	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	5-6 कंडिका	5	
4	चतुर्थ माह	संहिता अध्याय 16 (अनुवाक 2-9) संहिता अध्याय 17 (अनुवाक 1-2)	65	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	7-9 कंडिका	5	
5	पञ्चम माह	संहिता अध्याय 17 (अनुवाक 3-7)	64	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	10-12 कंडिका	5	
6	षष्ठ माह	संहिता अध्याय 17 (अनुवाक 8-9) संहिता अध्याय 18 (अनुवाक 1-9)	57	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	13-17 कंडिका	5	
7	सप्तम माह	संहिता अध्याय 18 (अनुवाक 10-13) संहिता अध्याय 19 (अनुवाक 1)	51	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	18 कंडिका	5	
8	अष्टम माह	संहिता अध्याय 19 (अनुवाक 2-6)	68	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	19-20 कंडिका	5	
9	नवम माह	संहिता अध्याय 19 (अनुवाक 7) संहिता अध्याय 20 (अनुवाक 1-4)	51	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	21 कंडिका	5	
10	दशम माह	संहिता अध्याय 20 (अनुवाक 5-9)	55	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 1	22-24 कंडिका	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			576 मन्त्र 24 कंडिका	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)					
संहिता अध्याय 21 से 30 । पारस्करगृह्यसूत्र 2 काण्ड सम्पूर्ण ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	संहिता अध्याय 21 (अनुवाक1-4)	40	5	1. प्रत्येक विषय के कण्ठस्थीकरण के लिये न्यूनतम 16 सन्था करें। 2 पादार्ध, पाद, मन्त्रार्ध और पूर्ण मन्त्र इस क्रम से सन्था करें। उदा. 2 सन्था पादार्ध की, 3 सन्था पाद की, 5 सन्था मन्त्रार्ध की, 6 सन्था सम्पूर्ण मन्त्र की 3. प्रथम वर्ष से अधीत सभी विषयों की प्रतिदिन न्यूनतम 3 घंटे आवृत्ति करें। 4. सन्था पद्धति से प्रत्येक विषय कण्ठस्थ होने के उपरान्त विद्यार्थी वह विषय गुरु जी को सुनायें। 5. इस वर्ष के पाठ्यक्रम में प्रत्येक विषय की 6 सन्था अध्यापक द्वारा तथा शेष 10 सन्था स्वयं छात्र द्वारा होनी चाहिये।
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	1-2 कंडिका	5	
2	द्वितीय माह	संहिता अध्याय 21 (अनुवाक 5-6) संहिता अध्याय 22 (अनुवाक 1-7)	43	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	3 कंडिका	5	
3	तृतीय माह	संहिता अध्याय 22 (अनुवाक 8-19) संहिता अध्याय 23 (अनुवाक 1-6)	44	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	4-5 कंडिका	5	
4	चतुर्थ माह	संहिता अध्याय 23 (अनुवाक 6-11) संहिता अध्याय 24 (अनुवाक 1)	43	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	6-7 कंडिका	5	
5	पञ्चम माह	संहिता अध्याय 24 (अनुवाक 2-4) संहिता अध्याय 25 (अनुवाक 1-10)	43	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	8 कंडिका	5	
6	षष्ठ माह	संहिता अध्याय 25 (अनुवाक 11-14) संहिता अध्याय 26 (अनुवाक 1)	49	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	9-11 कंडिका	5	
7	सप्तम माह	संहिता अध्याय 26 (अनुवाक 1) संहिता अध्याय 27 (अनुवाक 1-4)	56	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	12-14 कंडिका	5	
8	अष्टम माह	संहिता अध्याय 28 (अनुवाक 1-4)	46	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	15-17 कंडिका	5	
9	नवम माह	संहिता अध्याय 29 (अनुवाक 1-3)	36	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	18-19 कंडिका	5	
10	दशम माह	संहिता अध्याय 29 (अनुवाक 1) संहिता अध्याय 30 (अनुवाक 1-2)	46	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 2	20-21 कंडिका	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			446 मन्त्र 21 कंडिका	10 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)					
संहिता अध्याय 31 से 40 । पारस्करगृह्यसूत्र 3 काण्ड सम्पूर्ण । परिशिष्टोक्तश्राद्धसूत्र । स्नानसूत्र । भोजनसूत्र ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	संहिता अध्याय 31-32 सम्पूर्ण	38	5	1. प्रत्येक विषय के कण्ठस्थीकरण के लिये न्यूनतम 16 सन्था करें। 2 पादार्ध, पाद, मन्त्रार्ध और पूर्ण मन्त्र इस क्रम से सन्था करें। उदा. 2 सन्था पादार्ध की, 3 सन्था पाद की, 5 सन्था मन्त्रार्ध की, 6 सन्था सम्पूर्ण मन्त्र की 3. प्रथम वर्ष से अधीत सभी विषयों की प्रतिदिन न्यूनतम 3 घंटे आवृत्ति करें। 4. सन्था पद्धति से प्रत्येक विषय कण्ठस्थ होने के उपरान्त विद्यार्थी वह विषय गुरुजी को सुनायें। 5. इस वर्ष के पाठ्यक्रम में प्रत्येक विषय की 6 सन्था अध्यापक द्वारा तथा शेष 10 सन्था स्वयं छात्र द्वारा होनी चाहिये।
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 3	1-3 कंडिका	5	
2	द्वितीय माह	संहिता अध्याय 33 (अनुवाक 1-2)	29	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 3	4-5 कंडिका	5	
3	तृतीय माह	संहिता अध्याय 33 (अनुवाक 3-4)	25	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 3	6-9 कंडिका	5	
4	चतुर्थ माह	संहिता अध्याय 33 (अनुवाक 5-6)	30	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 3	10-12 कंडिका	5	
5	पञ्चम माह	संहिता अध्याय 33 (अनुवाक 7-8) संहिता अध्याय 34 (अनुवाक 1-2)	33	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 3	13-14 कंडिका	5	
6	षष्ठ माह	संहिता अध्याय 35 सम्पूर्ण	22	5	
		पारस्करगृह्यसूत्र काण्ड 3	15-16 कंडिका	5	
7	सप्तम माह	संहिता अध्याय 36 सम्पूर्ण संहिता अध्याय 27 (अनुवाक 1-4)	24	5	
		परिशिष्टोक्तश्राद्धसूत्र	1-3 कंडिका	5	
8	अष्टम माह	संहिता अध्याय 37 सम्पूर्ण	21	5	
		परिशिष्टोक्तश्राद्धसूत्र	4-9 कंडिका	5	
9	नवम माह	संहिता अध्याय 38 सम्पूर्ण	28	5	
		स्नानसूत्र	1-3 कंडिका	5	
10	दशम माह	संहिता अध्याय 39, 40 सम्पूर्ण	30	5	
		भोजनसूत्र	1-2 कंडिका	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			280 मन्त्र 30 कंडिका	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण प्रथमवर्ष (उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा XI समकक्ष)					
बृहदारण्यक अध्याय 1, 2, 3 । रुद्राष्टाध्यायी (पदपाठ एवं क्रमपाठ) । याजुषज्योतिष					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	बृहदारण्यक अध्याय 1 (ब्राह्मण 1-2)	64	10	1. गतवर्ष की सन्था पद्धति के अनुसार ही 'बृहदारण्यक' तथा 'याजुषज्योतिष' का कण्ठस्थीकरण करें। 2. पदपाठ मंत्रों के कण्ठस्थीकरण के लिये सम्पूर्ण मन्त्र की न्यूनतम 8 सन्था करें। 3. क्रमपाठ मंत्रों के कण्ठस्थीकरण के लिये सम्पूर्ण मन्त्र की न्यूनतम 5 सन्था करें। 4. सन्था पद्धति से प्रत्येक विषय कण्ठस्थ होने के उपरान्त विद्यार्थी वह विषय गुरु जी को सुनायें। 5. सम्पूर्ण संहिता की भागशः 4 दिनों में आवृत्ति करें। उदाहरण प्रथमदिन 1-19 अध्याय द्वितीयदिन 11-17 अध्याय तृतीयदिन 18-25 अध्याय चतुर्थदिन 26-40 अध्याय एक माह में न्यूनतम 5 आवृत्ति अनिवार्य है।
2	द्वितीय माह	बृहदारण्यक अध्याय 1 (ब्राह्मण 3-4) बृहदारण्यक अध्याय 2 (ब्राह्मण 1)	60	10	
3	तृतीय माह	बृहदारण्यक अध्याय 2 ब्राह्मण 2-5	55	10	
4	चतुर्थ माह	बृहदारण्यक अध्याय 3 (ब्राह्मण 1-7)	62	10	
5	पञ्चम माह	बृहदारण्यक अध्याय 3 (ब्राह्मण 8-11)	71	10	
6	षष्ठ माह	रुद्राष्टाध्यायी पदपाठ, अध्याय 1, 2, 3, 4 सम्पूर्ण, अध्याय 5 (अनुवाक 1-3)	88	10	
7	सप्तम माह	रुद्राष्टाध्यायी पदपाठ, अध्याय 5 (अनुवाक 4-9), अध्याय 6, 7, 8 सम्पूर्ण	94	10	
8	अष्टम माह	रुद्राष्टाध्यायी क्रमपाठ, अध्याय 1, 2, 3, 4 सम्पूर्ण, अध्याय 5 (अनुवाक 1-3)	88	10	
9	नवम माह	रुद्राष्टाध्यायी क्रमपाठ, अध्याय 5 (अनुवाक 4-9), अध्याय 6, 7, 8 सम्पूर्ण	94	10	
10	दशम माह	याजुषज्योतिष		10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			312 कंडिका 182 पद, क्रमपाठ	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण द्वितीयवर्ष (उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा XII समकक्ष)					
बृहदारण्यक अध्याय 4, 5, 6 । निघण्टु अध्याय 1, 2, 3, 4, 5 । पिङ्गलच्छन्द । अष्टविकृतिपाठाभ्यास					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	बृहदारण्यक अध्याय 4 (ब्राह्मण 1-2)	75	10	1. गतवर्ष की सन्था पद्धति के अनुसार ही बृहदारण्यक, निघण्टु तथा छन्द का कण्ठस्थीकरण करें। 2. सन्था पद्धति से प्रत्येक विषय कण्ठस्थ होने के उपरान्त विद्यार्थी वह विषय गुरु जी को सुनायें। 3. सम्पूर्ण संहिता की भागशः 4 दिनों में आवृत्ति करें। उदाहरण प्रथमदिन 1-19 अध्याय द्वितीयदिन 11-17 अध्याय तृतीयदिन 18-25 अध्याय चतुर्थदिन 26-40 अध्याय एक माह में न्यूनतम 5 आवृत्ति अनिवार्य है। 4. विकृतिमन्त्रों का कण्ठस्थीकरण विशेषज्ञ वैदिकों के मार्गदर्शनानुसार करें।
2	द्वितीय माह	बृहदारण्यक अध्याय 4 (ब्राह्मण 3) बृहदारण्यक अध्याय 5 (ब्राह्मण 1-10)	45	10	
3	तृतीय माह	बृहदारण्यक अध्याय 5 (ब्राह्मण 11-15) बृहदारण्यक अध्याय 6 (ब्राह्मण 1-2)	55	10	
4	चतुर्थ माह	बृहदारण्यक अध्याय 6 (ब्राह्मण 3-4)	55	10	
5	पञ्चम माह	निघण्टु अध्याय 1		10	
6	षष्ठ माह	निघण्टु अध्याय 2		10	
7	सप्तम माह	निघण्टु अध्याय 3		10	
8	अष्टम माह	निघण्टु अध्याय 4, 5		10	
9	नवम माह	पिंगलच्छन्द सम्पूर्ण		10	
10	दशम माह	अष्टविकृतिपाठाभ्यास 1. जटा - यज्ञाग्रतः, यैनकर्माणि 2. माला - यत्प्रज्ञानम्, यैनेदम् 3. शिखा - यस्मिन्नृचः, सुषारथिः 4. रेखा - शङ्गवेपशुपतये, शम्भवाय 5. ध्वज - नमस्तेरुद्र, व्वय६सोम 6. दंड - यज्ञेनयज्ञम्, त्र्यम्बकम् 7. रथ - स्वस्तिनः, व्व्रतेनदीक्षाम् 8. घन - श्रीश्चते, तच्चक्षुः		10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			230 कंडिका	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)					
त्रिकाल सन्ध्यावन्दन, अग्निकार्य, भोजनविधि, यज्ञोपवीतधारणविधि, ब्रह्मयज्ञविधि, पाणिनीय शिक्षा, आरण्यक - 1, 3, 4 प्रश्न । उपनिषद् - 1, 2, 3, 4 प्रश्न					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**पञ्चाशत् संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथमद्वितीय पक्ष	त्रिकाल सन्ध्यावन्दन		10	1. प्रत्येक पक्ष में निर्धारित मन्त्र भाग की 10 पाठ एवं 10 सन्था (दशावृत्ति) करना है। 2. नवम तथा दशम पाठ में सम्पूर्ण पञ्चाशत् पढाना है 3. छः सन्था होने के पश्चात् छात्र गुरुजी को कण्ठस्थ सुना ने प्रयत्न करें। 4. प्रतिदिन प्रातः काल ब्रह्मयज्ञ में 100 पञ्चाशत् बिना पुस्तक के बोलना। 5. जिन पञ्चाशतों को अगले दिन ब्रह्मयज्ञ में कण्ठस्थ बोलना है एक दिन पूर्व उनका स्वाध्याय करें। 6. नूतनपाठ (जिसकी सन्था (दशावृत्ति) पूरी हुई हो। की प्रतिदिन 2 आवृत्ति करना अनिवार्य है। एक पक्ष तक। 7. प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तथा चतुर्दशी को उस पक्ष के ब्रह्म यज्ञ में स्वाध्याय किए गए पञ्चाशतों की सामूहिक आवृत्ति अनिवार्यतया करनी है।
2	तृतीय पक्ष	अग्निकार्यम्		5	
3	चतुर्थ पक्ष	भोजनविधि, यज्ञोपवीतधारणविधि		5	
4	पञ्चम पक्ष	ब्रह्मयज्ञविधि		5	
5	षष्ठ पक्ष्	पाणिनीय शिक्षा	60 श्लोकाः	5	
6		तैत्तिरीयारण्यक - प्रथम प्रश्न		20	
	सप्तम पक्ष	* भद्रङ्कर्णेभिः से अग्निश्च जातवेदाश्च	33		
	अष्टम पक्ष	* अग्निश्च जातवेदाश्च से योऽसौ तपन्नुदेति	30		
	नवम पक्ष	* योऽसौ तपन्नुदेति से चतुष्टय्य आपः	34		
	दशम पक्ष	* चतुष्टय्य आपः से प्रश्नान्त पर्यन्त	35		
7		आरण्यक - तृतीय प्रश्न		10	
	एकादश पक्ष	* चित्तिस्रुक् से सहस्रशीर्षा पुरुष	32		
	द्वादश पक्ष	* सहस्रशीर्षा से प्रश्नान्त तथा-			
8		आरण्यक - चतुर्थ प्रश्न		15	
		- ब्रह्मन्प्रचरिष्यामः पर्यन्तम्	32		
	त्रयोदश पक्ष	* ब्रह्मन्प्रचरिष्यामः से घर्म या ते दिवि	30		

	चतुर्दश पक्ष	* घर्म या ते दिवि से पृथिवी समित्	40		
	पञ्चदश पक्ष	* पृथिवी समित् से प्रश्नान्त तथा-			
9		तैत्तिरीयोपनिषद् - प्रथम प्रश्न		5	
	षोडश पक्ष	प्रथम प्रश्न समाप्ति पर्यन्त	36		
10		उपनिषद् - द्वितीय-तृतीय प्रश्न		5	
	सप्तदश पक्ष	* सम्पूर्ण द्वितीय, तृतीयप्रश्न समाप्ति पर्यन्त	22		
11		उपनिषद् - चतुर्थ प्रश्न		15	
	अष्टादश पक्ष	* अम्भस्यपारे से आदित्यो वा एषः	30		
	एकविंश पक्ष	* आदित्यो वा एषः से देवकृतस्यैनसः	46		
	विंश पक्ष	* देवकृतस्यैनसः से प्रश्नान्त पर्यन्त	25		
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			425 पञ्चाशत्		

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)					
प्रथमाष्टक सम्पूर्ण। द्वितीयाष्टक - 1, 2, 3 प्रश्न ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**पञ्चाशत् संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1		प्रथमाष्टक - प्रथम प्रश्न		10	1. प्रत्येक पक्ष में निर्धारित मन्त्र भाग की 10 पाठ एवं 10 सन्था (दशावृत्ति) करना है। 2. नवम तथा दशम पाठ में सम्पूर्ण पञ्चाशत् पढाना है 3. छः सन्था होने के पश्चात् छात्र गुरुजी को कण्ठस्थ सुना ने प्रयत्न करें। 4. प्रतिदिन प्रातः काल ब्रह्मयज्ञ में 100 पञ्चाशत् बिना पुस्तक के बोलना। 5. जिन पञ्चाशतों को अगले दिन ब्रह्मयज्ञ में कण्ठस्थ बोलना है एक दिन पूर्व उनका स्वाध्याय करें। 6. नूतनपाठ (जिसकी सन्था (दशावृत्ति) पूरी हुई हो। की प्रतिदिन 2 आवृत्ति करना अनिवार्य है। एक पक्ष तक। 7. प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तथा चतुर्दशी को उस पक्ष के ब्रह्म यज्ञ में स्वाध्याय किए गए पञ्चाशतों की सामूहिक आवृत्ति अनिवार्यतया करनी है।
	प्रथम पक्ष	* ब्रह्मसन्धत्तम् से प्रजापतिर्वाचमपश्यत्	34		
	द्वितीय पक्ष	* प्रजापतिर्वाचमपश्यत् से प्रजापतिः प्रजाः	40		
	तृतीय पक्ष	* प्रजापतिः प्रजाः से प्रश्नान्त तथा-			
2		प्रथमाष्टक - द्वितीय प्रश्न		5	
		- नवैतान्यहानि भवन्ति पर्यन्त	33		
	चतुर्थ पक्ष	* नवैतान्यहानि से प्रश्नान्त तथा-			
3		प्रथमाष्टक - तृतीय प्रश्न		10	
		- देवा वै यदन्यैर्ग्रहैः पर्यन्त	37		
	पञ्चम पक्ष	* देवा वै यदन्यैर्ग्रहैः से सप्तान्नहोमाञ्जुहोति	33		
	षष्ठ पक्ष	* सप्तान्नहोमाञ्जुहोति से प्रश्नान्त तथा-			
4		प्रथमाष्टक - चतुर्थ प्रश्न		10	
		- नि वा एतस्याहवनीयः पर्यन्त	34		
	सप्तमःपक्षः	* नि वा एतस्याहवनीयः से प्रजा वै सत्रमासत	35		
	अष्टम पक्ष	* प्रजा वै सत्रमासत से प्रश्नान्त तथा-			
5		प्रथमाष्टक - पञ्चम प्रश्न		10	
		- ऋतमेव परमेष्ठि पर्यन्त	35		
	नवम पक्ष	* ऋतमेव परमेष्ठि से तस्यावाचोवपादात्	34		
	दशम पक्ष	* तस्यावाचोवपादात् से प्रश्नान्त तथा -			
6		प्रथमाष्टक - षष्ठ प्रश्न		10	
		- प्रजापतिस्सविता भूत्वा पर्यन्त	33		
	एकादश पक्ष	* प्रजापतिस्सविता भूत्वा से अग्नयेदेवेभ्यः	32		
	द्वादश पक्ष	* अग्नये देवेभ्यः से प्रश्नान्त तथा-			

7		प्रथमाष्टक - सप्तम प्रश्न		10	
		- रक्षिनामेतानि हवी२षि पर्यन्त	31		
	त्रयोदश पक्ष	* रक्षिनामेतानि हवी२षि से इन्द्रस्य वज्रोसि	37		
	चतुर्दश पक्ष	* इन्द्रस्य वज्रोसि से प्रश्नान्त तथा-			
8		प्रथमाष्टक - अष्टम प्रश्न		5	
		- यत्रिषु यूपेष्वालभेत पर्यन्त	32		
	पञ्चदश पक्ष	* यत्रिषुयूपेष्वालभेत से प्रश्नान्त तथा-			
9		द्वितीयाष्टक - प्रथम प्रश्न		10	
		- रुद्रो वा एषः पर्यन्त	32		
	षोडश पक्ष	* रुद्रो वा एषः से दक्षिणत उपसृजति	35		
	सप्तदश पक्ष	* दक्षिणत उपसृजति से प्रश्नान्त तथा-			
10		द्वितीयाष्टक - द्वितीय प्रश्न		10	
		- देवा वै वरुणमयाजयन् पर्यन्त	37		
	अष्टादश पक्ष	* देवा वै वरुणमयाजयन् से प्रजापतिरिन्द्रमसृजत पर्यन्त	32		
	एकोनविश पक्ष	* प्रजापतिरिन्द्रमसृजत से प्रश्नान्त तथा-			
11		द्वितीयाष्टक - तृतीय प्रश्न		10	
		- बह्मवादिनो वदन्ति पर्यन्त	30		
	विंश पक्ष	* ब्रह्मवादिनो वदन्ति से प्रश्नान्त पर्यन्त	34		
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			680 पञ्चाशत्	100	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)					
द्वितीयाष्टक - 4, 5, 6, 7, 8 प्रश्न। संहिता - प्रथमकाण्ड सम्पूर्ण					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**पञ्चाशत् संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1		द्वितीयाष्टक - चतुर्थ प्रश्न		10	1. प्रत्येक पक्ष में निर्धारित मन्त्र भाग की 10 पाठ एवं 10 सन्था (दशावृत्ति) करना है। 2. नवम तथा दशम पाठ में सम्पूर्ण पञ्चाशत् पढाना है 3. छः सन्था होने के पश्चात् छात्र गुरुजी को कण्ठस्थ सुना ने प्रयत्न करें। 4. प्रतिदिन प्रातः काल ब्रह्मयज्ञ में 100 पञ्चाशत् बिना पुस्तक के बोलना। 5. जिन पञ्चाशतों को अगले दिन ब्रह्मयज्ञ में कण्ठस्थ बोलना है एक दिन पूर्व उनका स्वाध्याय करें। 6. नूतनपाठ (जिसकी सन्था (दशावृत्ति) पूरी हुई हो। की प्रतिदिन 2 आवृत्ति करना अनिवार्य है। एक पक्ष तक। 7. प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तथा चतुर्दशी को उस पक्ष के ब्रह्म यज्ञ में स्वाध्याय किए गए पञ्चाशतों की सामूहिक आवृत्ति अनिवार्यतया करनी है।
	प्रथम पक्ष	* जुष्टो दमूना से नक्तञ्जातास्योषधे	33		
	द्वितीय पक्ष	* नक्तञ्जातास्योषधे से सप्रत्नवन्नवीयसा	40		
	तृतीय पक्ष	* सप्रत्नवन्नवीयसा से प्रश्नान्त तथा -			
2		द्वितीयाष्टक - पञ्चम प्रश्न		5	
		- वसूनान्त्वाधीतेन पर्यन्त			
	चतुर्थ पक्ष	* वसूनान्त्वाधीतेन से प्रश्नान्त तथा -			
3		द्वितीयाष्टक - षष्ठ प्रश्न		15	
		- मित्रोसि वरुणोसि पर्यन्त	36		
	पञ्चम पक्ष	* मित्रोसि वरुणोसि से होतायक्षथ्समिधाग्निम्	35		
	षष्ठ पक्ष	* होतायक्षथ्समिधाग्निं से समिद्धो अग्निस्समिधा	30		
	सप्तम पक्ष	* समिद्धो अग्निस्समिधा से प्रश्नान्त तथा -	34		
4		द्वितीयाष्टक - सप्तम प्रश्न		10	
		- प्रजापतिः प्रजा असृजत पर्यन्त	35		
	अष्टम पक्ष	* प्रजापतिः प्रजा असृजत से प्रश्नान्त पर्यन्त	42		
5		द्वितीयाष्टक - अष्टम प्रश्न		10	
	नवम पक्ष	* पीवोन्नाऽरयिवृधः से आ देवो यातु	39		
	दशम पक्ष	* आ देवो यातु से प्रश्नान्त पर्यन्त	40		

6		संहिता - प्रथम काण्ड - प्रथम प्रश्न		5	
	एकादश पक्ष	* इषे त्वा से प्रश्नान्त पर्यन्त	37		
7		प्रथम काण्ड - द्वितीय प्रश्न		5	
	द्वादश पक्ष	* आप उन्दन्तु से प्रश्नन्त पर्यन्त	34		
8		प्रथमकाण्ड - तृतीय प्रश्न		5	
	त्रयोदश पक्ष	* देवस्य त्वा से प्रश्नान्त पर्यन्त	31		
9		प्रथमकाण्ड - चतुर्थ प्रश्न		5	
	चतुर्दश पक्ष	* आ ददे ग्रवासि से उदुत्यञ्जातवेदसम्	42		
	पञ्चदश पक्ष	* उदुत्यञ्जतवेदसम् से प्रश्नान्त तथा -			
10		प्रथमकाण्ड - पञ्चम प्रश्न		5	
		- अयज्ञो वा एषः पर्यन्त	35		
	षोडश पक्ष	* अयज्ञो वा एषः से प्रश्नान्त तथा -			
11		प्रथमकाण्ड - षष्ठ प्रश्न		10	
		- अग्निर्मा दुरिष्टात् पर्यन्त	34		
	सप्तदश पक्ष	* अग्निर्मा दुरिष्टात् से यो वै सप्तदशम्	31		
	अष्टादश पक्ष	* यो वै सप्तदशम् से प्रश्नान्त तथा -			
12		प्रथमकाण्ड - सप्तम प्रश्न		5	
		- ध्रुवाँवै रिच्यमानाम् पर्यन्त	33		
	एकोनविश पक्ष	* ध्रुवाँवै रिच्यमानाम् से प्रश्नान्त तथा-			
13		प्रथम काण्ड - अष्टम प्रश्न		10	
		- सोमाय पितृमते पर्यन्त	37		
	विंश पक्ष	* सोमाय पितृमते से प्रश्नान्त पर्यन्त	36		
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			706 पञ्चाशत्	100	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)					
तृतीयाष्टक - 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 प्रश्न । संहिता - चतुर्थकाण्ड सम्पूर्ण ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**पञ्चाशत् संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1		तृतीयाष्टक - प्रथम प्रश्न		5	1. प्रत्येक पक्ष में निर्धारित मन्त्र भाग की 10 पाठ एवं 10 सन्था (दशावृत्ति) करना है। 2. नवम तथा दशम पाठ में सम्पूर्ण पञ्चाशत् पढाना है 3. छः सन्था होने के पश्चात् छात्र गुरुजी को कण्ठस्थ सुना ने प्रयत्न करें। 4. प्रतिदिन प्रातः काल ब्रह्मयज्ञ में 100 पञ्चाशत् बिना पुस्तक के बोलना। 5. जिन पञ्चाशतों को अगले दिन ब्रह्मयज्ञ में कण्ठस्थ बोलना है एक दिन पूर्व उनका स्वाध्याय करें। 6. नूतनपाठ (जिसकी सन्था (दशावृत्ति) पूरी हुई हो। की प्रतिदिन 2 आवृत्ति करना अनिवार्य है। एक पक्ष तक। 7. प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तथा चतुर्दशी को उस पक्ष के ब्रह्म यज्ञ में स्वाध्याय किए गए पञ्चाशतों की सामूहिक आवृत्ति अनिवार्यतया करनी है।
	प्रथम पक्ष	* अग्निर्नः पातु से मित्रो वा अकामयत	41		
	द्वितीय पक्ष	* मित्रो वा अकामयत से प्रश्नान्त तथा-			
2		तृतीयाष्टक - द्वितीय प्रश्न		15	
		- पूर्वेद्युरिद्ध्माबर्हिः पर्यन्तम्	37		
	तृतीय पक्ष	* पूर्वेद्युरिद्ध्मा से धृष्टिरसि ब्रह्म	34		
	चतुर्थ पक्ष	* धृष्टिरसिब्रह्म से प्रश्नान्त पर्यन्तम्	36		
3		तृतीयाष्टक - तृतीय प्रश्न		10	
	पञ्चम पक्ष	* प्रत्युष्टꣳ रक्षः से अग्निना वै ह्येत्रा	37		
	षष्ठ पक्ष	* अग्निना वै होत्रा से यो वा अयथादेवतम्	34		
	सप्तम पक्ष	* यो वा अयथादेवतम् से प्रश्नान्त तथा -			
4		तृतीयाष्टक - चतुर्थ प्रश्न		5	
		- चतुर्थ प्रश्न समाप्ति पर्यन्त	27		
5		तृतीयाष्टक - पञ्चम प्रश्न		5	
	अष्टम पक्ष	* सत्यम्प्रपद्ये से प्रश्नान्त पर्यन्त	30		
6		तृतीयाष्टक - षष्ठ प्रश्न		5	
	नवम पक्ष	* अञ्जन्ति त्वा से देवम्बर्हिस्सुदेवम्	32		
	दशम पक्ष	* देवम्बर्हिस्सुदेवम् से प्रश्नान्त तथा-			

7		तृतीयाष्टक - सप्तम प्रश्न		20	
		- वि वा एषः इन्द्रियेण पर्यन्त	21		
	एकादश पक्ष	* वि वा एषः इन्द्रियेण से परिस्तृणीत	38		
	द्वादश पक्ष	* परिस्तृणीत से यदस्य पारे रजसः	38		
	त्रयोदश पक्ष	* यदस्य पारे रजसः से प्रश्नान्त पर्यन्त	38		
8		संहिता - चतुर्थकाण्ड प्रथम प्रश्न		5	
	चतुर्दश पक्ष	* युञ्जानः प्रथमं से यदग्ने यानि	37		
	पञ्चदश पक्ष	* यदग्ने यानि से प्रश्नान्त तथा-			
9		चतुर्थकाण्ड - द्वितीय प्रश्न		5	
		- मा नो हि꣣सीत् पर्यन्त	37		
	षोडश पक्ष	* मा नो हि꣣सीत् से प्रश्नान्त तथा-			
10		चतुर्थकाण्ड - तृतीय प्रश्न		5	
		- इयमेव सा या पर्यन्त	40		
	सप्तदश पक्ष	* इयमेव स या से प्रश्नान्त तथा-			
11		चतुर्थकाण्ड - चतुर्थ प्रश्न		5	
		- प्रजापतिर्मनसान्धः पर्यन्त	40		
	अष्टादश पक्ष	* प्रजापतिर्मनसान्धः से प्रश्नान्त तथा-			
12		चतुर्थकाण्ड - पञ्चम प्रश्न		5	
		- पञ्चम - प्रश्नसमाप्ति पर्यन्त	40		
13		चतुर्थकाण्ड - षष्ठ प्रश्न		5	
	एकोनविशः पक्षः	*अश्मश्नूर्जम् से ये वाजिनम्	42		
	विंश पक्ष	* ये वाजिनम् से प्रश्नान्त तथा-			
14		चतुर्थकाण्ड - सप्तम प्रश्न		5	
		- सप्तम प्रश्न समाप्ति पर्यन्त	43		
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			724 पञ्चाशत्	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)					
तृतीयाष्टक - 8, 9 प्रश्न । काठक आरण्यक - 2, 5, 6 प्रश्न । संहिता - तृतीयकाण्ड सम्पूर्ण ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**पञ्चाशत् संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1		तृतीयाष्टक - अष्टम प्रश्न		10	1. प्रत्येक पक्ष में निर्धारित मन्त्र भाग की 10 पाठ एवं 10 सन्था (दशावृत्ति) करना है। 2. नवम तथा दशम पाठ में सम्पूर्ण पञ्चाशत् पढाना है 3. छः सन्था होने के पश्चात् छात्र गुरुजी को कण्ठस्थ सुना ने प्रयत्न करें। 4. प्रतिदिन प्रातः काल ब्रह्मयज्ञ में 100 पञ्चाशत् बिना पुस्तक के बोलना। 5. जिन पञ्चाशतों को अगले दिन ब्रह्मयज्ञ में कण्ठस्थ बोलना है एक दिन पूर्व उनका स्वाध्याय करें। 6. नूतनपाठ (जिसकी सन्था (दशावृत्ति) पूरी हुई हो। की प्रतिदिन 2 आवृत्ति करना अनिवार्य है। एक पक्ष तक। 7. प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तथा चतुर्दशी को उस पक्ष के ब्रह्म यज्ञ में स्वाध्याय किए गए पञ्चाशतों की सामूहिक आवृत्ति अनिवार्यतया करनी है।
	प्रथम पक्ष	* साङ्ग्रहण्येष्ट्या यजते से प्रजापतिरकामयताश्वमेधेन	36		
	द्वितीय पक्ष	* प्रजापतिरकामयताश्वमेधेन से एकयूपो वैकादशिनी	38		
	तृतीय पक्ष	* एकयूपो वैकादशिनी से प्रश्नान्त तथा-			
2		तृतीयाष्टक - नवम प्रश्न		15	
		- तेजसा वा एषः पर्यन्त	36		
	चतुर्थ पक्ष	* तेजसा वा एषः से अप वा एतस्मात्	34		
	पञ्चम पक्ष	* अप वा एतस्मात् से प्रश्नान्त पर्यन्त	33		
3		काठक - प्रथम प्रश्न		5	
	षष्ठ पक्ष	* संज्ञानँविज्ञानम् से इयँवाव सरघा	37		
	सप्तम पक्ष	* इयँवाव सरघा से प्रश्नान्त तथा-			
4		काठक - द्वितीय प्रश्न		10	
		- अग्नाविष्णू सजोषसा पर्यन्त	37		
	अष्टम पक्ष	* अग्नाविष्णू सजोषसा से प्रश्नान्त पर्यन्त	37		
5		काठक - तृतीय प्रश्न		5	
	नवम पक्ष	* तुभ्यन्ता अङ्गिरस्तमा से यश्चामृतँयत्	34		
	दशम पक्ष	* यश्चामृतँयत् से प्रश्नान्त तथा-			
6		आरण्यक - द्वितीय प्रश्न		10	
		- यददीव्यन्नृणमहम् पर्यन्त	25		
	एकादश पक्ष	* यददीण्यन्नृणमहम् से प्रश्नान्त पर्यन्त	19		

7		अरण्यक - पञ्चम प्रश्न		15	
	द्वादश पक्ष	* देवा वै सत्रमासत से ब्रह्मन्प्रचरिष्यामः	29		
	त्रयोदश पक्ष	* ब्रह्मन्प्रयरिष्यामः से विश्वा अशा दक्षिणसत्	40		
	चतुर्दश पक्ष	* विश्वा अशा दक्षणिसत् से प्रश्नान्त पर्यन्त	39		
8		आरण्यक - षष्ठ प्रश्न		5	
	पञ्चदश पक्ष	* परेयुवा२सम् से प्रश्नान्त पर्यन्त	27		
9		तृतीयकाण्ड - प्रथम प्रश्न		5	
	षोडश पक्ष	* प्रजापतिरकामयत से प्रश्नान्त पर्यन्त	42		
10		तृतीयकाण्ड - द्वितीय प्रश्न		5	
	सप्तदश पक्ष	* यो वै पवमानानाम् से उपयामगृहीतोसि	41		
	अष्टादश पक्ष	* उपयामगृहीतोसि से प्रश्नान्त तथा-			
11		तृतीयकाण्ड - तृतीय प्रश्न		5	
		- तृतीयप्रश्न समाप्ति पर्यन्त	41		
12		तृतीयकाण्ड - चतुर्थ प्रश्न		5	
	नवदश पक्ष	* विवा एतस्य से त्वमग्ने बृहद्वयः	40		
	विंश पक्ष	* त्वमग्ने बृहद्वयः से प्रश्नान्त तथा-			
13		तृतीयकाण्ड - पञ्चम प्रश्न		5	
		- पञ्चम प्रश्न समाप्त पर्यन्त	42		
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			707 पञ्चाशत्	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण प्रथमवर्ष (उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा XI समकक्ष)					
द्वितीयकाण्ड सम्पूर्ण । पञ्चमकाण्ड सम्पूर्ण ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**पञ्चाशत् संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1		द्वितीयकाण्ड - प्रथम प्रश्न		5	1. प्रत्येक पक्ष में निर्धारित मन्त्र भाग की 10 पाठ एवं 10 सन्था (दशावृत्ति) करना है। 2. नवम तथा दशम पाठ में सम्पूर्ण पञ्चाशत् पढाना है 3. छः सन्था होने के पश्चात् छात्र गुरुजी को कण्ठस्थ सुना ने प्रयत्न करें। 4. प्रतिदिन प्रातः काल ब्रह्मयज्ञ में 100 पञ्चाशत् बिना पुस्तक के बोलना। 5. जिन पञ्चाशतों को अगले दिन ब्रह्मयज्ञ में कण्ठस्थ बोलना है एक दिन पूर्व उनका स्वाध्याय करें। 6. नूतनपाठ (जिसकी सन्था (दशावृत्ति) पूरी हुई हो। की प्रतिदिन 2 आवृत्ति करना अनिवार्य है। एक पक्ष तक। 7. प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तथा चतुर्दशी को उस पक्ष के ब्रह्म यज्ञ में स्वाध्याय किए गए पञ्चाशतों की सामूहिक आवृत्ति अनिवार्यतया करनी है।
	प्रथम पक्ष	* वायव्यꣳश्वेतम् से वषट्कारो वै	40		
	द्वितीय पक्ष	* वषट्कारो वै से प्रश्नान्त तथा-			
2		द्वितीयकाण्ड - द्वितीय प्रश्न		10	
		- अग्नयेन्नवते पुरोडाशम् पर्यन्त	39		
	तृतीय पक्ष	* अग्नयेन्नवते पुरोडाशम् से असावादित्यो न	38		
	चतुर्थ पक्ष	* असावादित्यो न से प्रश्नान्त तथा-			
3		द्वितीयकाण्ड - तृतीय प्रश्न		10	
		- अर्यम्णे चरुम् पर्यन्त	38		
	पञ्चम पक्ष	* अर्यम्णे चरुम् से प्रश्नान्त पर्यन्त	37		
4		द्वितीयकाण्ड - चतुर्थ प्रश्न		5	
	षष्ठ पक्ष	* देवा मनुष्याः से देवा वै राजन्यात्	42		
	सप्तम पक्ष	* देवा वै राजन्यात् से प्रश्नान्त तथा-			
5		द्वितीयकाण्ड - पञ्चम प्रश्न		10	
		- एष वै देवरथः पर्यन्त	38		
	अष्टम पक्ष	* एष वै देवरथः से प्रश्नान्त पर्यन्त	42		
6		द्वितीयकाण्ड - षष्ठ प्रश्न		10	
	नवम पक्ष	* समिधो यजति से मनुः पृथिव्याः	35		
	दशम पक्ष	* मनुः पृथिव्याः से प्रश्नान्त पर्यन्त	35		

7		पञ्चमकाण्ड - प्रथम प्रश्न		5	
	एकादश पक्ष	* सावित्राणि जुहोति से एकवि॰शत्या माषैः	38		
	द्वादश पक्ष	* एकवि॰शत्या माषैः से प्रश्नान्त तथा-			
8		पञ्चमकाण्ड - द्वितीय प्रश्न		10	
		- व वा एतौ पर्यन्त	41		
	त्रयोदश पक्ष	* वि वा पतौ से गायत्री त्रिष्टुप्	40		
	चतुर्दश पक्ष	* गायत्री त्रिष्टुप् से प्रश्नान्त तथा-			
9		पञ्चमकाण्ड - तृतीय प्रश्न		5	
		- धन्दा॰ँस्युपदधाति पर्यन्त	38		
	पञ्चदश पक्ष	* धन्दा॰ँस्युपदधाति से प्रश्नान्त तथा-			
10		पञ्चमकाण्ड - चतुर्थ प्रश्न		5	
		- उदेनमुत्तराम् पर्यन्त	37		
	षोडश पक्ष	* उदेनमुत्तराम् से प्रश्नान्त तथा-			
11		पञ्चमकाण्ड - पञ्चम प्रश्न		10	
		- प्रजापतिः प्रजास्सृष्ट्वा पर्यन्त	42		
	सप्तदश पक्ष	* प्रजापतिः प्रजासृष्ट्वा से इन्द्राय राज्ञे	41		
	अष्टादश पक्ष	* इन्द्रायराज्ञे से प्रश्नान्त तथा-			
12		पञ्चमकाण्ड - षष्ठ प्रश्न		5	
		- सुवर्गाय वा एषः पर्यन्त	43		
	नवदश पक्ष	* सुवर्गाय वा एषः से प्रश्नान्त तथा-			
13		पञ्चमकाण्ड - सप्तम प्रश्न		10	
		- यथा वै पुत्रः पर्यन्त	41		
	विंश पक्ष	* यथा वै पुत्रः से प्रश्नान्त पर्यन्त	42		
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			787 पञ्चाशत्	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण द्वितीयवर्ष (उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा XII समकक्ष)					
षष्ठकाण्ड सम्पूर्ण । सप्तमकाण्ड सम्पूर्ण । श्रीरुद्रप्रश्न (पदपाठ - क्रमपाठ)					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**पञ्चाशत् संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1		षष्ठकाण्ड - प्रथम प्रश्न		10	1. प्रत्येक पक्ष में निर्धारित मन्त्र भाग की 10 पाठ एवं 10 सन्था (दशावृत्ति) करना है। 2. नवम तथा दशम पाठ में सम्पूर्ण पञ्चाशत् पढाना है 3. छः सन्था होने के पश्चात् छात्र गुरुजी को कण्ठस्थ सुना ने प्रयत्न करें। 4. प्रतिदिन प्रातः काल ब्रह्मयज्ञ में 100 पञ्चाशत् बिना पुस्तक के बोलना। 5. जिन पञ्चाशतों को अगले दिन ब्रह्मयज्ञ में कण्ठस्थ बोलना है एक दिन पूर्व उनका स्वाध्याय करें। 6. नूतनपाठ (जिसकी सन्था (दशावृत्ति) पूरी हुई हो। की प्रतिदिन 2 आवृत्ति करना अनिवार्य है। एक पक्ष तक। 7. प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तथा चतुर्दशी को उस पक्ष के ब्रह्म यज्ञ में स्वाध्याय किए गए पञ्चाशतों की सामूहिक आवृत्ति अनिवार्यतया करनी है।
	प्रथम पक्ष	*प्राचीनव꣡ꣳशङ्करोति से कद्रूश्च वै	38		
	द्वितीय पक्ष	* कद्रूश्च वै से प्रश्नान्त पर्यन्त	38		
2		षष्ठकाण्ड - द्वितीय प्रश्न		5	
	तृतीय पक्ष	* यदुभौ विमुच्य से सोत्तरवेदिरब्रवीत्	38		
	चतुर्थ पक्ष	* सोत्तरवेदिरब्रवीत् से प्रश्नान्त तथा-			
3		षष्ठकाण्ड - तृतीय प्रश्न		10	
		- पृथिव्यै त्वाऽन्तरिक्षय पर्यन्त	39		
	पञ्चम पक्ष	* पृथिव्यै त्वाऽन्तरिक्षाय से मेदसास्स्रुचौ	38		
	षष्ठ पक्ष	* मेदसा स्रुचौ प्र से प्रश्नान्त तथा-			
4		षष्ठकाण्ड - चतुर्थ प्रश्न		5	
		- वाग्वा एषा पर्यन्त	36		
	सप्तम पक्ष	* वाग्वा एषा से प्रश्नान्त तथा-			
5		षष्ठकाण्ड - पञ्चम प्रश्न		5	
		- इन्द्रो मरुद्भिः पर्यन्त	35		
	अष्टम पक्ष	* इन्द्रो मरुद्भिः से प्रश्नान्त तथा-			
6		षष्ठकाण्ड - षष्ठ प्रश्न		10	
		- अवभृथयजू꣡ꣳषि पर्यन्त	36		
	नवम पक्ष	* अवमृथयजू꣡ꣳषि से प्रश्नान्त पर्यन्त	35		
7		सप्तमकाण्ड - प्रथम प्रश्न		5	
	दशम पक्ष	* प्रजननज्योतिः से देवस्य त्वा	39		

	एकादश पक्ष	* देवस्यत्वा सवितुः से प्रश्नान्त तथा-			
8		सप्तकाण्ड - द्वितीय प्रश्न		5	
		- ऋतवो वै प्रजाकामाः पर्यन्त	31		
	द्वादश पक्ष	* ऋतवो वै प्रजाकामाः से प्रश्नान्त तथा-			
9		सप्तमकाण्ड - तृतीय प्रश्न		10	
		- एष वा आप्तः पर्यन्त	38		
	त्रयोदश पक्ष	* एषः वा आप्तः से प्रश्नान्त पर्यन्त	36		
10		सप्तमकाण्ड - चतुर्थ प्रश्न		5	
	चतुर्दश पक्ष	* बृहस्पतिरकामयत से मेषस्त्वा पचतैः	37		
	पञ्चदश पक्ष	* मेषस्त्वा पचतैः से प्रश्नान्त तथा-			
11		सप्तमकाण्ड - पञ्चम प्रश्न		10	
		- देवानाँवा अन्तम् पर्यन्त	38		
	षोडश पक्ष	* देवानाँवा अन्तम् से प्रश्नान्त पर्यन्त	32		
12		श्रीरुद्रप्रश्न (पदपाठ)		10	
	सप्तदश पक्ष	* नमस्ते रुद्र से नमो दुन्दुभ्याय च	13		
	अष्टादश पक्ष	* नमो दुन्दुभ्याय च से प्रश्नान्त पर्यन्त	15		
13		श्रीरुद्रप्रश्न (क्रमपाठ)		10	
	नवदश पक्ष	* नमस्ते रुद्र से नमस्सहमानाय	6		
		* नमस्सहमानाय से नमो ज्येष्ठाय च	6		
	विंश पक्ष	* नमो ज्येष्ठाय च से द्रापे अन्धसस्पते	7		
		* द्रापे अन्धसस्पते से प्रश्नान्त पर्यन्त	7		
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			584 पञ्चाशत्	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद राणायनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)					
त्रिकाल संध्या, अग्निकार्य, सामवेद संहिता आरम्भ, पूर्वार्चिक संहिता अध्याय - प्रथम, द्वितीय, प्रकृति गान में 3 खण्ड					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	प्रातः संध्या		10	1. प्रत्येक पक्ष में निर्धारित मन्त्र भाग का 10 पाठ एवं 10 सन्था (दशावृत्ति) करना है। 2. नवम तथा दशम पाठ में सम्पूर्ण पञ्चाशत् पढाना है 3. छः सन्था होने के पश्चात् छात्र गुरुजी को कण्ठस्थ सुना ने प्रयत्न करें। 4. प्रतिदिन प्रातः काल ब्रह्मयज्ञ में 100 पञ्चाशत् बिना पुस्तक के बोलना। 5. जिन पञ्चाशतों को अगले दिन ब्रह्मयज्ञ में कण्ठस्थ बोलना है एक दिन पूर्व उनका स्वाध्याय करें। 6. नूतनपाठ (जिसकी सन्था (दशावृत्ति) पूरी हुई हो। की प्रतिदिन 2 आवृत्ति करना अनिवार्य है। एक पक्ष तक। 7. प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तथा चतुर्दशी को उस पक्ष के ब्रह्म यज्ञ में स्वाध्याय किए गए पञ्चाशतों की सामूहिक आवृत्ति अनिवार्यतया करनी है।
2	द्वितीय पक्ष	सायं संध्या		5	
3	तृतीय पक्ष	मध्याह्न संध्या		5	
4	चतुर्थ पक्ष	भोजन प्रयोग		5	
5	पञ्चम पक्ष	अग्निकार्य		5	
6	षष्ठ पक्ष	संहिता प्रथम खण्ड	10	4	
7	सप्तम पक्ष	द्वितीय खण्ड	10	4	
8	अष्टम पक्ष	तृतीय खण्ड	14	4	
9	नवम पक्ष	चतुर्थ - पञ्चम खण्ड	20	4	
10	दशम पक्ष	षष्ठ - सप्तम खण्ड	20	4	
11	एकादश पक्ष	अष्टम - नवम खण्ड	20	4	
12	द्वादश पक्ष	दशम - एकादश - द्वादश खण्ड	27	4	
13	त्रयोदश पक्ष	प्रकृतिगान प्रथम खण्ड	19 साम गान	6	
14	चतुर्दश पक्ष	प्रकृतिगान द्वितीय खण्ड	15 साम गान	6	
15	पञ्चदश पक्ष	प्रकृतिगान तृतीय खण्ड	20 साम गान	6	
16	षोडश पक्ष	द्वितीय अध्याय प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड	30	6	
17	सप्तदश पक्ष	द्वितीय अध्याय चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड	30	6	
18	अष्टादश पक्ष	द्वितीय अध्याय सप्तम, अष्टम, नवम खण्ड	30	6	
19	एकोनविंश पक्ष	द्वितीय अध्याय दशम, एकादश, द्वादश खण्ड	30	6	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			**395 मन्त्र**	**100 अंक**	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद राणायनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)					
संहिता पूर्वार्चिक - तृतीय, चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ अध्याय सम्पूर्ण । प्रकृतिगान में आग्नेय पर्व 9 खण्ड एवं ऐन्द्र पर्व 6 खण्ड पर्यन्त अध्ययन होना अनिवार्य है ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	तृतीय अध्याय प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड	30	5	1. ऋचा की 16 सन्था पद्धति से अध्ययन अध्यापन करें। 2. गान के 10 पाठ एवं 10 वल्लि (दशावृत्ति) करें। 3. प्रतिदिन 4 अध्याय ऋचा के एवं 10 खण्ड गान की आवृत्ति करें।
2	द्वितीय पक्ष	तृतीय अध्याय चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड	30	5	
3	तृतीय पक्ष	तृतीय अध्याय सप्तम, अष्टम, नवम खण्ड	30	5	
4	चतुर्थ पक्ष	तृतीय अध्याय दशम, एकादश, द्वादश खण्ड	30	5	
5	पञ्चम पक्ष	चतुर्थ अध्याय प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड	30	5	
6	षष्ठ पक्ष	चतुर्थ अध्याय चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड	30	5	
7	सप्तम पक्ष	चतुर्थ अध्याय सप्तम, अष्टम, नवम खण्ड	30	5	
8	अष्टम पक्ष	चतुर्थ अध्याय दशम, एकादश, द्वादश खण्ड	30	5	
9	नवम पक्ष	पञ्चम अध्याय प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड	30	5	
10	दशम पक्ष	पञ्चम अध्याय चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड	30	5	
11	एकादश पक्ष	पञ्चम अध्याय सप्तम, अष्टम, नवम खण्ड	30	5	
12	द्वादश पक्ष	पञ्चम अध्याय दशम, एकादश, द्वादश खण्ड	30	5	
13	त्रयोदश पक्ष	षष्ठ अध्याय प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड	महानाम्नी 40	5	
14	चतुर्दश पक्ष	आग्नेय पर्व - चतुर्थ, पञ्चम खण्ड	38 साम	5	
15	पञ्चदश पक्ष	आग्नेय पर्व - षष्ठ, सप्तम खण्ड	23 साम	5	
16	षोडश पक्ष	आग्नेय पर्व - अष्टम, नवम खण्ड	23 साम	5	
17	सप्तदश पक्ष	आग्नेय पर्व - दशम, एकादश खण्ड	26 साम	5	
18	अष्टादश पक्ष	आग्नेय पर्व - द्वादश खण्ड	14 साम	5	
19	नवदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व - प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड	65 साम	5	
20	विंश पक्ष	ऐन्द्र पर्व - चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड	62 साम	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			**400 मन्त्र 257 साम**	**100 अंक**	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद राणायनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)					
उत्तरार्चिक प्रथम अध्याय से दशम अध्याय पर्यन्त एवं प्रकृतिगान में ऐन्द्र पर्व सप्तम खण्ड से चतुर्विंशति खण्ड पर्यन्त अध्ययन होना अतिआवश्यक है ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	उत्तरार्चिक प्रथम अध्याय	23 तृचा	5	1. ऋचा की 16 सन्धा पद्धति से अध्ययन अध्यापन करें। 2. गान के 10 पाठ एवं 10 वल्लि (दशावृत्ति) करें। 3. प्रतिदिन 4 अध्याय ऋचा के एवं 10 खण्ड गान की आवृत्ति करें।
2	द्वितीय पक्ष	उत्तरार्चिक द्वितीय अध्याय	22 तृचा	5	
3	तृतीय पक्ष	उत्तरार्चिक तृतीय अध्याय	19 तृचा	5	
4	चतुर्थ पक्ष	उत्तरार्चिक चतुर्थ अध्याय	19 तृचा	5	
5	पञ्चम पक्ष	उत्तरार्चिक पञ्चम अध्याय	22 तृचा	5	
6	षष्ठ पक्ष	उत्तरार्चिक षष्ठ अध्याय	23 तृचा	5	
7	सप्तम पक्ष	उत्तरार्चिक सप्तम अध्याय	24 तृचा	5	
8	अष्टम पक्ष	उत्तरार्चिक अष्टम अध्याय	14 तृचा	5	
9	नवम पक्ष	उत्तरार्चिक नवम अध्याय	20 तृचा	5	
10	दशम पक्ष	उत्तरार्चिक दशम अध्याय	23 तृचा	5	
11	एकादश पक्ष	ऐन्द्र पर्व सप्तम, अष्टम खण्ड	23 तृचा	5	
12	द्वादश पक्ष	ऐन्द्र पर्व नवम, दशम खण्ड	21 तृचा	5	
13	त्रयोदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व एकादश, द्वादश खण्ड	20 तृचा	5	
14	चतुर्दश पक्ष	ऐन्द्र पर्व त्रयोदश खण्ड	31 तृचा	5	
15	पञ्चदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व चतुर्दश खण्ड	25 तृचा	5	
16	षोडश पक्ष	ऐन्द्र पर्व पञ्चदश, षोडश खण्ड	40 तृचा	5	
17	सप्तदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व सप्तदश, अष्टादश खण्ड	33 तृचा	5	
18	अष्टादश पक्ष	ऐन्द्र पर्व एकोनविंशति, विंशति खण्ड	21 तृचा	5	
19	नवदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व एकविंशति, द्वाविंशति खण्ड	36 तृचा	5	
20	विंश पक्ष	ऐन्द्र पर्व त्रयोविंशति, चतुर्विंशति खण्ड	31 तृचा	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			**200 तृचा** **281 साम**	**100 गुण**	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद राणायनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)					
उत्तरार्चिक एकादश अध्याय से एकविंशति अध्याय पर्यंत संहिता भाग सम्पूर्ण । प्रकृतिगान में ऐन्द्र पर्व पञ्चविंशति खण्ड से षट्त्रिंषत् खण्ड पर्यन्त । सामगान एवं छान्दोग्य मन्त्रब्राह्मण प्रथम प्रपाठक ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	उत्तरार्चिक एकादश अध्याय	11 तृचा	5	1. ऋचा की 16 सन्था पद्धति से अध्ययन अध्यापन करें। 2. गान के 10 पाठ एवं 10 वल्लि (दशावृत्ति) करें। 3. प्रतिदिन 4 अध्याय ऋचा के एवं 10 खण्ड गान की आवृत्ति करें।
2	द्वितीय पक्ष	उत्तरार्चिक द्वादश अध्याय	20 तृचा	5	
3	तृतीय पक्ष	उत्तरार्चिक त्रयोदश अध्याय	18 तृचा	5	
4	चतुर्थ पक्ष	उत्तरार्चिक चतुर्दश अध्याय	16 तृचा	5	
5	पञ्चम पक्ष	उत्तरार्चिक पञ्चदश अध्याय	14 तृचा	5	
6	षष्ठ पक्ष	उत्तरार्चिक षोडश अध्याय	21 तृचा	5	
7	सप्तम पक्ष	उत्तरार्चिक सप्तदश अध्याय	14 तृचा	5	
8	अष्टम पक्ष	उत्तरार्चिक अष्टादश अध्याय	19 तृचा	5	
9	नवम पक्ष	उत्तरार्चिक एकोनविंशति अध्याय	18 तृचा	5	
10	दशम पक्ष	उत्तरार्चिक विंशति अध्याय	32 तृचा	5	
11	एकादश पक्ष	उत्तरार्चिक एकविंशति अध्याय	9 तृचा	5	
12	द्वादश पक्ष	ऐन्द्रपर्व पञ्चविंशति, षड्विंशति खण्ड	24 साम	5	
13	त्रयोदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व सप्तविंशति खण्ड	24 साम	5	
14	चतुर्थदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व अष्टाविंशति खण्ड	28 साम	5	
15	पञ्चदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व नवविंशति, त्रिंशत् खण्ड	33 साम	5	
16	षोडश पक्ष	ऐन्द्र पर्व एकत्रिंशत्, द्वात्रिंशत् खण्ड	31 साम	5	
17	सप्तदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व त्रयस्त्रिंशत्, चतुस्त्रिंशत् खण्ड	37 साम	5	
18	अष्टादश पक्ष	ऐन्द्र पर्व पञ्चत्रिंशत्, षट्त्रिंशत् खण्ड	33 साम	5	
19	नवदश पक्ष	छान्दोग्य मन्त्र ब्राह्मण षष्ठ खण्ड	6 खण्ड	5	
20	विंश पक्ष	छान्दोग्य मन्त्र ब्राह्मण षष्ठ खण्ड	6 खण्ड	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			**192 तृचा 210 साम 12 ब्राह्मण**	**100 गुण**	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद राणायनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)					
प्रकृति गान में, पावमान एकादश खण्ड सम्पूर्ण आरण्यक गान में अर्क पर्व, छान्दोग्य मन्त्र ब्राह्मण द्वितीय प्रपाठक सम्पूर्ण होना अनिवार्य					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	पावमान प्रथम खण्ड	35 साम	5	1. ऋचा की 16 सन्धा पद्धति से अध्ययन अध्यापन करें। 2. गान के 10 पाठ एवं 10 वल्लि (दशावृत्ति) करें। 3. प्रतिदिन 4 अध्याय ऋचा के एवं 10 खण्ड गान की आवृत्ति करें।
2	द्वितीय पक्ष	पावमान प्रथम खण्ड	34 साम	5	
3	तृतीय पक्ष	पावमान द्वितीय तृतीय खण्ड	35 साम	5	
4	चतुर्थ पक्ष	पावमान चतुर्थ खण्ड	20 साम	5	
5	पञ्चम पक्ष	पावमान पञ्चम खण्ड	40 साम	5	
6	षष्ठ पक्ष	पावमान पञ्चम खण्ड	33 साम	5	
7	सप्तम पक्ष	पावमान षष्ठ खण्ड	24 साम	5	
8	अष्टम पक्ष	पावमान सप्तम खण्ड	21 साम	5	
9	नवम पक्ष	पावमान अष्टम खण्ड	33 साम	5	
10	दशम पक्ष	पावमान नवम खण्ड	35 साम	5	
11	एकादश पक्ष	पावमान दशम खण्ड	39 साम	5	
12	द्वादश पक्ष	पावमान एकादश खण्ड	35 साम	5	
13	त्रयोदश पक्ष	आरण्यकगान प्रथम द्वितीय खण्ड	27 साम	5	
14	चतुर्दश पक्ष	आरण्यकगान तृतीय, चतुर्थ खण्ड	28 साम	5	
15	पञ्चदश पक्ष	आरण्यकगान पञ्चम खण्ड	10 साम	5	
16	षोडश पक्ष	आरण्यकगान षष्ठ खण्ड	12 साम	5	
17	सप्तदश पक्ष	आरण्यकगान सप्तम खण्ड	12 साम	5	
18	अष्टादश पक्ष	छान्दोग्यब्राह्मण 1-3 खण्ड	40 मन्त्र	5	
19	नवदश पक्ष	छान्दोग्यब्राह्मण 4-6 खण्ड	40 मन्त्र	5	
20	विंश पक्ष	छान्दोग्यब्राह्मण 7-9 खण्ड	40 मन्त्र	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			**474 साम 8 खण्ड ब्राह्मण**	**100 गुण**	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद राणायनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण प्रथमवर्ष (उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा XI समकक्ष)					
आरण्यक गान में द्वन्द्व, व्रत, शुक्रिय, महानाम्नी, पूर्वार्चिक पदपाठ सम्पूर्ण एवं छान्दोग्य उपनिषद् 4 अध्याय					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	द्वन्द्व पर्व प्रथम से चतुर्थ खण्ड	42 साम	5	1. ऋचा की 16 सन्धा पद्धति से अध्ययन अध्यापन करें। 2. गान के 10 पाठ एवं 10 वल्लि (दशावृत्ति) करें। 3. प्रतिदिन 4 अध्याय ऋचा के एवं 10 खण्ड गान की आवृत्ति करें।
2	द्वितीय पक्ष	द्वन्द्व पर्व पञ्चम से सप्तम खण्ड	35 साम	5	
3	तृतीय पक्ष	व्रत पर्व चतुर्थ खण्ड, पञ्चम	40 साम	5	
4	चतुर्थ पक्ष	व्रत पर्व चतुर्थ खण्ड, सप्तम	44 साम	5	
5	पञ्चम पक्ष	शुक्रिय पर्व प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड	40 साम	5	
6	षष्ठ पक्ष	पूर्वार्चिक पदपाठ प्रथम अध्याय	114 मन्त्र	5	
7	सप्तम पक्ष	पूर्वार्चिक पदपाठ द्वितीय अध्याय	126 मन्त्र	5	
8	अष्टम पक्ष	पूर्वार्चिक पदपाठ तृतीय अध्याय	118 मन्त्र	5	
9	नवम पक्ष	पूर्वार्चिक पदपाठ चतुर्थ अध्याय	115 मन्त्र	5	
10	दशम पक्ष	पूर्वार्चिक पदपाठ पञ्चम अध्याय	119 मन्त्र	5	
11	एकादश पक्ष	पूर्वार्चिक पदपाठ षष्ठ अध्याय	55 मन्त्र	5	
12	द्वादश पक्ष	उपनिषद् अर्ध अध्याय	40	5	
13	त्रयोदश पक्ष	उपनिषद् प्रथम अर्ध अध्याय	40	5	
14	चतुर्दश पक्ष	उपनिषद् प्रथम अर्ध अध्याय	40	5	
15	पञ्चदश पक्ष	उपनिषद् द्वितीय अर्ध अध्याय	40	5	
16	षोडश पक्ष	उपनिषद् द्वितीय अर्ध अध्याय	40	5	
17	सप्तदश पक्ष	उपनिषद् तृतीय अर्ध अध्याय	40	5	
18	अष्टादश पक्ष	उपनिषद् तृतीय अर्ध अध्याय	40	5	
19	नवदश पक्ष	उपनिषद् चतुर्थ अर्ध अध्याय	40	5	
20	विंश पक्ष	उपनिषद् चतुर्थ अर्ध अध्याय	40	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			209 साम 640 पदपाठ मन्त्र	100 गुण	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद राणायनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण द्वितीयवर्ष (उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा XII समकक्ष)					
उत्तरार्चिक पदपाठ सम्पूर्ण ऊहगान में दशरात्र पर्व में प्रथम - विंश = रहस्यगान में प्रथमदशति, छान्दोग्यउपनिषद् पञ्चम, षष्ठ, सप्तम, अष्टम अध्याय					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	उत्तरार्चिक प्रथम, द्वितीय अध्याय	46 तृचा पदपाठ	5	1. ऋचा की 16 सन्था पद्धति से अध्ययन अध्यापन करें। 2. गान के 10 पाठ एवं 10 वल्लि (दशावृत्ति) करें। 3. प्रतिदिन 4 अध्याय ऋचा के एवं 10 खण्ड गान की आवृत्ति करें।
2	द्वितीय पक्ष	उत्तरार्चिक तृतीय, चतुर्थ अध्याय	38 तृचा पदपाठ	5	
3	तृतीय पक्ष	उत्तरार्चिक पञ्चम, षष्ठ अध्याय	45 तृचा पदपाठ	5	
4	चतुर्थ पक्ष	उत्तरार्चिक सप्तम, अष्टम अध्याय	48 तृचा पदपाठ	5	
5	पञ्चम पक्ष	उत्तरार्चिक नवम अध्याय	20 तृचा पदपाठ	5	
6	षष्ठ पक्ष	उत्तरार्चिक दशम अध्याय	23 तृचा पदपाठ	5	
7	सप्तम पक्ष	उत्तरार्चिक एकादश, द्वादश अध्याय	31 तृचा पदपाठ	5	
8	अष्टम पक्ष	उत्तरार्चिक त्रयोदश, चतुर्दश अध्याय	34 तृचा पदपाठ	5	
9	नवम पक्ष	उत्तरार्चिक पञ्चदश, षोडश अध्याय	45 तृचा पदपाठ	5	
10	दशम पक्ष	उत्तरार्चिक सप्तदश, अष्टादश अध्याय	33 तृचा पदपाठ	5	
11	एकादश पक्ष	उत्तरार्चिक एकोनविंशति अध्याय	18 तृचा पदपाठ	5	
12	द्वादश पक्ष	उत्तरार्चिक विंशति अध्याय	31 तृचा पदपाठ	5	
13	त्रयोदश पक्ष	उत्तरार्चिक एकविंशति अध्याय	8 तृचा पदपाठ	5	
14	चतुर्दश पक्ष	छान्दोग्य उपनिषद् पञ्चम अध्याय	20 खण्ड	5	
15	पञ्चदश पक्ष	छान्दोग्य उपनिषद् षष्ठ अध्याय	1 खण्ड	5	
16	षोडश पक्ष	छान्दोग्य उपनिषद् सप्तम अध्याय	1 खण्ड	5	
17	सप्तदश पक्ष	छान्दोग्य उपनिषद् अष्टम अध्याय	1 खण्ड	5	
18	अष्टादश पक्ष	दशरात्र प्रथम विंश	10 साम	5	
19	नवदश पक्ष	दशरात्र प्रथम विंश	10 साम	5	
20	विंश पक्ष	रहस्य गान प्रथम दशति	10 साम	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			421 तृचा 30 साम तृचा	100 गुण	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद कौथुम शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)					
सन्ध्यावन्दन - अग्निकार्य, भोजन विधि। प्रकृतिगान प्रथम प्रपाठक। पूर्वार्चिक प्रथम, द्वितीय प्रपाठक। नारदीया शिक्षा - प्रथम प्रपाठक।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	सन्ध्यावन्दन अग्निकार्य भोजनविधि		10	प्रत्येक पाठ्यक्रम बिन्दु को एकादश सन्था दें और एकादश तिरुवै (दशावृत्ति) करायें। दशावृत्तिपूर्वक कण्ठस्थ पाठ की नित्य आवृत्ति करें।
2	द्वितीय माह	नारदीय शिक्षा प्रथम प्रपाठक	127 श्लोक	10	
3	तृतीय माह	पूर्वार्चिक - प्रथम प्रपाठक प्रथम अर्ध	42	10	
4	चतुर्थ माह	प्रकृतिगान - गायत्रम् (ऋक् गान) ओग्नाइ से, प्रेष्ठंवोहाउ	13	10	
5	पञ्चम माह	पूर्वार्चिक - प्रथम प्रपाठक द्वितीय अर्ध	48	10	
6	षष्ठ माह	प्रकृतिगान - प्रथम प्रपाठक 'त्वन्नोया' से 'प्रतित्याञ्चारूमध्वराम्'	16	10	
7	सप्तम माह	पूर्वार्चिक - द्वितीय प्रपाठक प्रथम अर्ध	49	10	
8	अष्टम माह	प्रकृतिगान - प्रथम प्रपाठक 'आश्वा' से 'नित्वा'	18	10	
9	नवम माह	पूर्वार्चिक - द्वितीय प्रपाठक द्वितीय अर्ध	40	10	
10	दशम माह	प्रकृति गान - प्रथम प्रपाठक 'अग्निर्मूद्धादी' से प्रपाठकान्त	25	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			साम - 72 ऋक् - 179	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद कौथुम शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)					
ब्रह्मयज्ञ। नारदीय शिक्षा - द्वितीय प्रपाठक। पूर्वार्चिक - तृतीय से षष्ठ प्रपाठक। प्रकृतिगान - द्वितीय से पञ्चम (एकसामि पूर्ण) प्रपाठक पर्यन्त।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	नारदीय शिक्षा द्वितीय प्रपाठक ब्रह्म यज्ञ	116 श्लोक	10	प्रत्येक पाठ्यक्रम बिन्दु को एकादश सन्था दें और एकादश तिरुवै (दशावृत्ति) करायें। दशावृत्तिपूर्वक कण्ठस्थ पाठ की नित्य आवृत्ति करें।
2	द्वितीय माह	प्रकृतिगान द्वितीय प्रपाठक प्रथम अर्ध	40	10	
3	तृतीय माह	प्रकृतिगान द्वितीय प्रपाठक द्वितीय अर्ध	31	10	
4	चतुर्थ माह	पूर्वार्चिक तृतीय प्रपाठक प्रथम - द्वितीय अर्ध	99	10	
5	पञ्चम माह	पूर्वार्चिक चतुर्थ प्रपाठक प्रथम - द्वितीय अर्ध	98	10	
6	षष्ठ माह	प्रकृतिगान तृतीय प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 39 31	10	
7	सप्तम माह	पूर्वार्चिक पञ्चम प्रपाठक प्रथम - द्वितीय अर्ध	96	10	
8	अष्टम माह	प्रकृतिगान चतुर्थ प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 34 36	10	
9	नवम माह	पूर्वार्चिक षष्ठ प्रपाठक द्वितीय अर्ध - 9 खण्ड	99	10	
10	दशम माह	प्रकृतिगान पञ्चम प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध एकसामि समाप्ति	 35 35 25	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			साम - 306 ऋक् - 392	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
सामवेद कौथुम शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)					
आर्चिक - आरण्यक, महानाम्नी । उत्तरार्चिक - तृतीय प्रपाठक पर्यन्त (षष्ठ अध्याय पर्यन्त) । प्रकृतिगान - षष्ठ प्रपाठक (बृहती) से एकादश प्रपाठक (हाउस्वरता) ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	प्रकृतिगान षष्ठ प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 15 35	10	प्रत्येक पाठ्यक्रम बिन्दु को एकादश सन्था दें और एकादश तिरुवै (दशावृत्ति) करायें। दशावृत्तिपूर्वक कण्ठस्थ पाठ की नित्य आवृत्ति करें।
2	द्वितीय माह	प्रकृतिगान सप्तम प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 33 36	10	
3	तृतीय माह	पूर्वार्चिक - आरण्यक महानाम्नी	65	10	
4	चतुर्थ माह	उत्तरार्चिक प्रथम प्रपाठक प्रथम अध्याय द्वितीय अध्याय	 62 62	10	
5	पञ्चम माह	प्रकृतिगान अष्टम प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 36 34	10	
6	षष्ठ माह	उत्तरार्चिक द्वितीय प्रपाठक तृतीय अध्याय चतुर्थ अध्याय	 55 56	10	
7	सप्तम माह	प्रकृतिगान नवम प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 31 35	10	
8	अष्टम माह	प्रकृतिगान दशम प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 34 35	10	
9	नवम माह	उत्तरार्चिक तृतीय प्रपाठक पञ्चम अध्याय षष्ठ अध्याय	 69 76	10	
10	दशम माह	प्रकृतिगान एकादश प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 36 38	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			साम - 358 ऋक् - 445	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद कौथुम शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)					
(१) उत्तरार्चिक चतुर्थ प्रपाठक से षष्ठ प्रपाठक पर्यन्त (त्रयोदश अध्याय पर्यन्त) । (२) प्रकृतिगान द्वादश से सप्तदश प्रपाठक पर्यन्त (पवमान पर्यन्त) । (३) छान्दोग्य मन्त्रब्राह्मण प्रथम प्रपाठक ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	प्रकृतिगान द्वादश प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितिय अर्ध	 42 31	10	प्रत्येक पाठ्यक्रम बिन्दु को एकादश सन्था दें और एकादश तिरुवै (दशावृत्ति) करायें। दशावृत्तिपूर्वक कण्ठस्थ पाठ की नित्य आवृत्ति करें।
2	द्वितीय माह	उत्तरार्चिक चतुर्थ प्रपाठक सप्तम अध्याय अष्टम अध्याय	 85 59	10	
3	तृतीय माह	प्रकृतिगान त्रयोदश प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 38 35	10	
4	चतुर्थ माह	उत्तरार्चिक पञ्चम प्रपाठक नवम अध्याय दशम अध्याय	 78 94	10	
5	पञ्चम माह	प्रकृतिगान चतुर्दश प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितिय अर्ध	 36 30	10	
6	षष्ठ माह	प्रकृतिगान पञ्चदश प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 36 30	10	
7	सप्तम माह	प्रकृतिगान षोडश प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 39 35	10	

8	अष्टम माह	उत्तरार्चिक षष्ठ प्रपाठक एकादश अध्याय द्वादश अध्याय	 32 56	10	
9	नवम माह	उत्तरार्चिक षष्ठ प्रपाठक त्रयोदश अध्याय छान्दोग्य मन्त्रब्राह्मण प्रथम प्रपाठक	 54 136	10	
10	दशम माह	प्रकृतिगान सप्तदश प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 39 35	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			साम् - 426 ऋक् - 458 छा.ब्राह्मण - 136		

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद कौथुम शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)					
(१) उत्तरार्चिक सप्त प्रपाठक से नवम प्रपाठक पर्यन्त (समाप्ति पर्यन्त) । (२) महानाम्नी पर्व (गान) (३) आरण्यक पर्व सम्पूर्ण (गान)। (४) छान्दोग्य मन्त्र ब्राह्मण द्वितीय प्रपाठक ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	आरण्यक गान प्रथम प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 27 28	10	प्रत्येक पाठ्यक्रम बिन्दु को एकादश सन्था दें और एकादश तिरुवै (दशावृत्ति) करायें। दशावृत्तिपूर्वक कण्ठस्थ पाठ की नित्य आवृत्ति करें।
2	द्वितीय माह	उत्तरार्चिक सप्तम प्रपाठक चतुर्दश अध्याय पञ्चदश अध्याय षोडश अध्याय	 46 38 44	10	
3	तृतीय माह	आरण्यक गान द्वितीय प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 34 22	10	
4	चतुर्थ माह	उत्तरार्चिक अष्टम प्रपाठक सप्तदश अध्याय अष्टादश अध्याय एकोनविंश अध्याय	 40 54 54	10	
5	पञ्चम माह	आरण्यक गान तृतीय प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 30 25	10	
6	षष्ठ माह	आरण्यक गान चतुर्थ प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 20 20	10	

7	सप्तम माह	आरण्यक गान पञ्चम प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 22 22	10	
8	अष्टम माह	उत्तरार्चिक नवम प्रपाठक विंश अध्याय 1 विंश अध्याय 2 एकविंश अध्याय	 51 33 27	10	
9	नवम माह	आरण्यक गान षष्ठ प्रपाठक प्रथम अर्ध द्वितीय अर्ध	 19 21	10	
10	दशम माह	महानाम्नी पर्व छान्दोग्य मन्त्रब्राह्मण द्वितीय प्रपाठक	5 125	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			साम - 295 ऋक् - 387 छा.ब्राह्मण - 125	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
सामवेद कौथुम शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण प्रथमवर्ष (उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा XI समकक्ष)					
पदपाठ पूर्वार्चिक सम्पूर्ण। उत्तरार्चिक द्वितीय प्रपाठक पर्यन्त। ऊहगान दशरात्र षष्ठ विंश पर्यन्त।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	पूर्वार्चिक पदपाठ प्रथम प्रपाठक द्वितीय प्रपाठक	 96 97	10	प्रत्येक पाठ्यक्रम बिन्दु को एकादश सन्था दें और एकादश तिरुवै (दशावृत्ति) करायें। दशावृत्तिपूर्वक कण्ठस्थ पाठ की नित्य आवृत्ति करें।
2	द्वितीय माह	ऊहगान - दशरात्र पर्व प्रथम विंश	 20	10	
3	तृतीय माह	पूर्वार्चिक पदपाठ तृतीय प्रपाठक चतुर्थ प्रपाठक	 99 98	10	
4	चतुर्थ माह	ऊहगान - दशरात्र पर्व द्वितीय विंश	 20	10	
5	पञ्चम माह	ऊहगान - दशरात्र पर्व तृतीय विंश	 20	10	
6	षष्ठ माह	पूर्वार्चिक पदपाठ पञ्चम प्रपाठक षष्ठ प्रपाठक	 96 99	10	
7	सप्तम माह	ऊहगान - दशरात्र पर्व चतुर्थ विंश	 20	10	
8	अष्टम माह	ऊहगान - दशरात्र पर्व पञ्चम विंश	 20	10	
9	नवम माह	पूर्वार्चिक पदपाठ आरण्यक महानाम्नी ऊहगान - दशरात्र पर्व षष्ठ विंश	 65 20	10	
10	दशम माह	उत्तरार्चिक पदपाठ प्रथम प्रपाठक द्वितीय प्रपाठक	 124 111	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			साम - 120 पदपाठ - 885	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
सामवेद कौथुम शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण द्वितीयवर्ष (उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा XII समकक्ष)					
उत्तरार्चिक पदपाठ - तृतीय प्रपाठक से सम्पूर्ण। ऊहगान - दशरात्र पर्व सप्तम विंश से सम्पूर्ण। छान्दोग्य उपनिषद् - प्रथम, द्वितीय अध्याय					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	ऊहगान - दशरात्र पर्व सप्तम विंश	 20	10	प्रत्येक पाठ्यक्रम बिन्दु को एकादश सन्था दें और एकादश तिरुवै (दशावृत्ति) करायें। दशावृत्तिपूर्वक कण्ठस्थ पाठ की नित्य आवृत्ति करें।
2	द्वितीय माह	उत्तरार्चिक पदपाठ तृतीय प्रपाठक चतुर्थ प्रपाठक	 145 144	10	
3	तृतीय माह	ऊहगान - दशरात्र पर्व अष्टम विंश	 20	10	
4	चतुर्थ माह	उत्तरार्चिक पदपाठ पञ्चम प्रपाठक षष्ठ प्रपाठक	 172 142	10	
5	पञ्चम माह	ऊहगान - दशरात्र पर्व नवम विंश	 20	10	
6	षष्ठ माह	उत्तरार्चिक पदपाठ सप्तम प्रपाठक अष्टम प्रपाठक	 128 148	10	
7	सप्तम माह	ऊहगान - दशरात्र पर्व दशम विंश	 20	10	
8	अष्टम माह	छान्दोग्य उपनिषद् प्रथम अध्याय	 104	10	
9	नवम माह	ऊहगान - दशरात्र पर्व एकादश विंश	 22	10	
10	दशम माह	उत्तरार्चिक पदपाठ नवम प्रपाठक छान्दोग्य उपनिषद् द्वितीय अध्याय	 111 82	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			साम - 102 पदपाठ - 990 छा.उप. -186	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद जैमिनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)					
(क) सन्ध्योपासनाविधि, समिदाधान , ब्रह्मयज्ञ। (ख) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता में आग्नेय पर्व सम्पूर्ण (खण्ड संख्या 1 से 12 पर्यन्त मन्त्र संख्या 1 से 116 पर्यन्त) । (ग) सामवेद प्रकृतिगान संहिता में अग्नेयपर्व सम्पूर्ण (खण्ड संख्या 01 से 12 पर्यन्त मन्त्र संख्या 1 से 182 पर्यन्त)।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	सन्ध्योपासनाविधि	मन्त्र संख्या 1 से 10 पर्यन्त	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने प्राप्त पाठ को सन्था (दशावृत्ति) करना है। सन्था (दशावृत्ति) कृत् पाठों का नित्य अभ्यास - आवृत्ति करना है।
2	द्वितीय पक्ष	सन्ध्योपासनाविधि	मन्त्र संख्या 11 से 20 पर्यन्त	5	
3	तृतीय पक्ष	सन्ध्योपासनाविधि	मन्त्र संख्या 21 से सम्पूर्ण	5	
4	चतुर्थ पक्ष	अग्निकार्य (समिदाधानविधि)	मन्त्र संख्या 1 से सम्पूर्ण	5	
5	पञ्चम पक्ष	ब्रह्मयज्ञ	मन्त्र संख्या 1 से 15 पर्यन्त	5	
6	षष्ठ पक्ष	ब्रह्मयज्ञ	मन्त्र संख्या 16 से सम्पूर्ण	5	
7	सप्तम पक्ष	भोजनविधि एवं गोत्रोच्चारण विधि	सम्पूर्ण	5	
8	अष्टम पक्ष	यज्ञोपवीत पूजन एवं धारण विधि	सम्पूर्ण	5	
9	नवम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (प्रथम खण्ड) (आग्नेयपर्व)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (प्रथम खण्ड) (आग्नेयपर्व)	19		

10	दशम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वितीय खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (द्वितीय खण्ड)	15		
11	एकादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (तृतीय खण्ड)	14	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने प्राप्त पाठ को सन्था (दशावृत्ति) करना है। सन्था (दशावृत्ति) कृत् पाठों का नित्य अभ्यास - आवृत्ति करना है।
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (तृतीय खण्ड)	21		
12	द्वादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (चतुर्थ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (चतुर्थ खण्ड)	22		
13	त्रयोदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (पञ्चम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (पञ्चम खण्ड)	16		
14	चतुर्दश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (षष्ठ खण्ड)	8	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (षष्ठ खण्ड)	10		
15	पञ्चदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (सप्तम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (सप्तम खण्ड)	16		
16	षोडश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (अष्टम खण्ड)	8	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (अष्टम खण्ड)	9		
17	सप्तदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (नवम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (नवम खण्ड)	13		

18	अष्टादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (दशम खण्ड)	6	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (दशम खण्ड)	7		
19	नवदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (एकादश खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (एकादश खण्ड)	18		
20	विंश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वादश खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (द्वादश खण्ड)	16		
नोट -कण्ठस्थीकरण उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की , 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			ऋक् - 116 साम - 182	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद जैमिनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)					
(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता - तद्व, बृहती पर्यन्त (खण्ड संख्या 1 से 20 पर्यन्त) (मन्त्र संख्या 117 से 314 पर्यन्त) (ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता में - तद्व, बृहती पर्यन्त (खण्ड संख्या 1 से 20 पर्यन्त) (मन्त्र संख्या 183 से 534 पर्यन्त)					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (प्रथम खण्ड)	10	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (प्रथम खण्ड)	23		
2	द्वितीय पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वितीय खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (द्वितीय खण्ड)	22		
3	तृतीय पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (तृतीय खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (तृतीय खण्ड)	20		
4	चतुर्थ पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (चतुर्थ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (चतुर्थ खण्ड)	15		
5	पञ्चम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (पञ्चम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (पञ्चम खण्ड)	30		
6	षष्ठ पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (षष्ठ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (षष्ठ खण्ड)	24		

7	सप्तम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (सप्तम खण्ड)	10	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (सप्तम खण्ड)	12		
8	अष्टम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (अष्टम खण्ड)	9	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (अष्टम खण्ड)	11		
9	नवम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (नवम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (नवम खण्ड)	12		
10	दशम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (दशम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (दशम खण्ड)	10		
11	एकादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (एकादश खण्ड)	9	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (एकादश खण्ड)	9		
12	द्वादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वादश खण्ड) (तद्वसमाप्त)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (द्वादश खण्ड) (तद्वसमाप्त)	12		
13	त्रयोदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (प्रथम खण्ड) (अथ बृहती)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (प्रथम खण्ड) (अथ बृहती)	31		

14	चतुर्दश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वितीय खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (द्वितीय खण्ड)	25		
15	पञ्चदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (तृतीय खण्ड)	10	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (तृतीय खण्ड)	25		
16	षोडश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (चतुर्थ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (चतुर्थ खण्ड)	17		
17	सप्तदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (पञ्चम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (पञ्चम खण्ड)	16		
18	अष्टादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (षष्ठ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (षष्ठ खण्ड)	16		
19	नवदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (सप्तम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (सप्तम खण्ड)	11		
20	विंश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (अष्टम खण्ड) (बृहती समाप्त)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (अष्टम खण्ड) (बृहती समाप्त)	11		
नोट -कण्ठस्थीकरण उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की , 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			ऋक् - 198 साम - 352	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद जैमिनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)					
(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता - असावी से पावमान सम्पूर्ण (खण्ड संख्या 1 से 27 खण्ड) (मन्त्र संख्या 315 से 587 पर्यन्त) (ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता - असावी से एन्द्र पर्व सम्पूर्ण (खण्ड संख्या 01 से 16 पर्यन्त) (मन्त्र संख्या 535 से 826 पर्यन्त)					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (प्रथम खण्ड)	10	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (प्रथम खण्ड)	19		
2	द्वितीय पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वितीय खण्ड)	09	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (द्वितीय खण्ड)	17		
3	तृतीय पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (तृतीय खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (तृतीय खण्ड)	18		
4	चतुर्थ पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (चतुर्थ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (चतुर्थ खण्ड)	28		
5	पञ्चम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (पञ्चम खण्ड)	8	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (पञ्चम खण्ड)	11		

6	षष्ठ पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (षष्ठ खण्ड) (असावी समाप्तम्)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (षष्ठ खण्ड)	13		
7	सप्तम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (प्रथम खण्ड) (अथ ऐन्द्रपर्व)	11	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (प्रथम खण्ड)	24		
8	अष्टम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वितीय खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (द्वितीय खण्ड)	21		
9	नवम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (तृतीय खण्ड)	8	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (तृतीय खण्ड)	10		
10	दशम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (चतुर्थ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (चतुर्थ खण्ड)	21		
11	एकादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (पञ्चम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (पञ्चम खण्ड)	28		
12	द्वादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (षष्ठ खण्ड)	8	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (षष्ठ खण्ड)	15		

13	त्रयोदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (सप्तम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (सप्तम खण्ड)	18		
14	चतुर्दश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (अष्टम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (अष्टम खण्ड)	16		
15	पञ्चदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (नवम खण्ड)	10	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (नवम खण्ड)	17		
16	षोडश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (दशम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (दशम खण्ड) (ऐन्द्र समाप्त)	16		
17	सप्तदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड) (अथ पावमानपर्व)	30	5	
18	अष्टादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड)	36	5	
19	नवदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (सप्तम, अष्टम, नवम खण्ड)	33	5	
20	विंश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (दशम, एकादश खण्ड)	20	5	
नोट -कण्ठस्थीकरणउच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक , की100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			ऋक् - 273 साम - 292	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद जैमिनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)

(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता - आरण्यक पर्व सम्पूर्ण (खण्ड संख्या 01 से 06 खण्ड पर्यन्त) (मन्त्र संख्या 588 से 645 पर्यन्त)
सामवेद उत्तरार्चिक संहिता - (खण्ड संख्या 1 से 40 पर्यन्त) (मन्त्र संख्या 1 से 532 पर्यन्त)
(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता में - पावमान पर्व सम्पूर्ण (खण्ड संख्या 1 से 11 पर्यन्त (मन्त्र संख्या 827 से 1224 पर्यन्त)
(ग) पुरुषसूक्त (यजुर्वेदीय) एवं श्रीसूक्त (ऋग्वेदीय)

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (प्रथम खण्ड)(अथ आरण्यक पर्व)	10	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (प्रथम खण्ड) (अथ पावमान पर्व)	69		
2	द्वितीय पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वितीय खण्ड)	09	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (द्वितीय खण्ड)	19		
3	तृतीय पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (तृतीय खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (तृतीय खण्ड)	16		
4	चतुर्थ पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (चतुर्थ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (चतुर्थ खण्ड)	20		

5	पञ्चम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (पञ्चम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (पञ्चम खण्ड)	76		
6	षष्ठ पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (षष्ठ खण्ड) (आरण्यक समाप्त)	9	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (षष्ठ खण्ड)	35		
7	सप्तम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड) (अथ उत्तरार्चिक संहिता)	31	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (सप्तम खण्ड)	21		
8	अष्टम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड)	33	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (अष्टम खण्ड)	33		
9	नवम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (सप्तम, अष्टम, नवम खण्ड)	36	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (नवम खण्ड)	35		
10	दशम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (दशम, एकादश, द्वादश खण्ड)	23	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (दशम खण्ड)	39		
11	एकादश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (त्रयोदश, चतुर्दश, पञ्चदश खण्ड) (पवमान काण्ड समाप्त)	39	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (एकादश खण्ड)	35		

12	द्वादश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (षोडश, सप्तदश, अष्टादश खण्ड)	42	5	
13	त्रयोदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (ऊनविंशति, विंशति, एकविंशति खण्ड)	53	5	
14	चतुर्दश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (द्वाविंशति, त्र्योविंशति, चतुर्विंशति खण्ड)	48	5	
15	पञ्चदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (पञ्चविंशति, षडविंशति, सप्तविंशति खण्ड)	27	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
16	षोडश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (अष्टाविंशति, ऊनत्रिंशत्, त्रिंशत् खण्ड)	52	5	
17	सप्तदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (एकत्रिंशत्, द्वात्रिंशत्, त्र्यस्त्रिंशत् खण्ड)	65	5	
18	अष्टादश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (चतुर्त्रिंशत्, पञ्चत्रिंशत्, षड् त्रिंशत् खण्ड)	42	5	
19	नवदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (सप्तमत्रिंशत्, अष्टत्रिंशत् खण्ड) (ख) पुरुषसूक्त	16	5	
20	विंश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (ऊनचत्वारिंशत्, चत्वारिंशत् खण्ड) (ख) श्रीसूक्त	25	5	
नोट -कण्ठस्थीकरणउच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक , की100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			ऋक् 58 + 532 साम 398	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद जैमिनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)

(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता - खण्ड 41 से खण्ड 90 पर्यन्त (मन्त्र संख्या 533 से 1062 पर्यन्त)
(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता में - आरण्यगान सम्पूर्ण (खण्ड संख्या 1 से 24 खण्ड) (मन्त्र संख्या 1225 से 1516 पर्यन्त)
(ग) निघण्टु शब्दकोश 01 एवं 02 अध्याय सम्पूर्ण

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (एकचत्वारिंशत्, द्विचत्वारिंशत् खण्डे)	20	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (प्रथम, द्वितीय खण्डे)	20		
2	द्वितीय पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (त्र्यस्त्वारिंशत्, चतुश्चत्वारिंशत् खण्डे)	20	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (तृतीय, चतुर्थ खण्डे)	21		
3	तृतीय पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (पञ्चचत्वारिंशत्, षट्चत्वारिंशत् खण्डे)	16	5	
		(ख) सामवेद आरण्यगान संहिता (पञ्चम, षष्ठ खण्डे)	20		
4	चतुर्थ पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (सप्तचत्वारिंशत्, अष्टचत्वारिंशत् खण्डे)	28	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (सप्तम, अष्टम खण्डे)	20		
5	पञ्चम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (एकोनपञ्चाशत्, पञ्चाशत् खण्डे)	20	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (नवम खण्ड)	17		

6	षष्ठ पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (एकपञ्चाशत्, द्विपञ्चाशत् खण्डे)	20	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है।
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (दशम, एकादश खण्डे)	23		
7	सप्तम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (त्रिपञ्चाशत, चतुःपञ्चाशत खण्डे)	25	5	(आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (द्वादश, त्रयोदश खण्ड)	31		
8	अष्टम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (पञ्चपञ्चाशत्, षड्पञ्चाशत् खण्डे)	36	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (चतुर्दश, पञ्चदश खण्ड)	23		
9	नवम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (सप्तपञ्चाशत्, अष्टपञ्चाशत् खण्ड)	30	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (षोडश, सप्तदश खण्ड)	24		
10	दशम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (नवपञ्चाशत्, षष्ठी खण्ड)	20	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (अष्टादश, ऊनविंशति खण्ड)	21		
11	एकादश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (एकषष्टि, द्विषष्टि, त्रिषष्टि खण्ड)	30	5	

		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (विंशतिखण्ड)	10		
12	द्वादश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (चतुःषष्टि, पञ्चषष्टि, षट्षष्टि खण्ड)	27	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (एहेतुंशति खण्ड)	10		
13	त्रयोदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (सप्तषष्टि, अष्टषष्टि,एकोनसप्तति खण्ड)	30	5	
		(ख) सामवेद आरणयकगान संहिता (द्वाविंशति खण्ड)	10		
14	चतुर्दश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (सप्तति, एकसप्तति, द्विसप्तति खण्ड)	35	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (त्रयोविंशति खण्ड)	19		
15	पञ्चदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (त्रिसप्तति, चतुःसप्तति, पञ्चसप्तति खण्ड)	30	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (चतुर्विंशति खण्ड) (आरण्यकगान समाप्त)	23		
16	षोडश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (षट्सप्तति, सप्तसप्तति, अष्टसप्तति खण्ड)	31	5	
17	सप्तदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तारार्चिक संहिता (एकोनाशीति, अशीति, एकाशीति खण्ड)	30	5	
		(ख) निघण्टु शब्दकोश 01 अध्याय श्लोक 1 से 20			
18	अष्टादश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (द्वाशीति, त्रयाशीति, चतुराशीति खण्ड)	30	5	

		(ख) निघण्टु शब्दकोश 01 अध्याय श्लोक 21 से सम्पूर्ण			
19	नवदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (पञ्चाशीति, षदशीति, सप्ताशीति खण्ड)	25	5	
		(ख) निघण्टु शब्दकोश 02 अध्याय श्लोक 1 से 20 सम्पूर्ण			
20	विंश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (अष्टाशीति, नवाशीति, नवति खण्ड)	27	5	
		(ख) निघण्टु शब्दकोश 02 अध्याय श्लोक 21 से सम्पूर्ण			
नोट -कण्ठस्थीकरणउच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक , की100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			ऋक् - 530 साम - 292	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद जैमिनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण प्रथमवर्ष (उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा XI समकक्ष)					
(क) नारदीय शिक्षा - प्रथम प्रपाठक सम्पूर्णम्। (ख) केनोपनिषद् - 1 से 4 अध्याय सम्पूर्णम्। (ग) जैमिनी आर्षेय ब्राह्मणम् एक से सात अध्याय सम्पूर्णम्। (घ) तवलका-जैमिनीयौषनिषद् एक से चार अध्याय सम्पूर्णम्। (ङ) जैमिनी महाब्राह्मणम् - प्रथम काण्ड के 1 से 50 मन्त्र (च) निघण्टु - 03 अध्याय से सम्पूर्णम् (मूल मात्र) (छ) निरुक्त - 1 अध्याय सम्पूर्णम् (सभाष्यव्याख्या)					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 1 सम्पूर्ण	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) केनोपनिषद्(अध्याय 1 सम्पूर्ण)	09 मन्त्र		
		(ग) निघण्टु 3 अध्याय	01 से 20 श्लोक		
2	द्वितीय पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 2 सम्पूर्ण	5	
		(ख) केनोपनिषद्	अध्याय 2 सम्पूर्ण		
		(ग) निघण्टु 3 अध्याय	21 से सम्पूर्ण		
3	तृतीय पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 3 सम्पूर्ण	5	
		(ख) केनोपनिषद्	अध्याय 3 सम्पूर्ण		
		(ग) निरुक्त 1 अध्याय	पाद 1 सम्पूर्ण		
4	चतुर्थ पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 4 सम्पूर्ण	5	
		(ख) केनोपनिषद्	अध्याय 4 सम्पूर्ण		
		(ग) निरुक्त 1 अध्याय	पाद 2 सम्पूर्ण		
5	पञ्चम पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 5 सम्पूर्ण	5	
		(ख) निरुक्त 1 अध्याय	पाद 3 सम्पूर्ण		
		(ग) आर्षेय ब्राह्मण	अध्याय 1 सम्पूर्ण		
6	षष्ठ पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 6 सम्पूर्ण	5	
		(ख) निरुक्त 1 अध्याय	पाद 4 सम्पूर्ण		
		(ग) जैमिनीय आर्षेय ब्राह्मण	अध्याय 2 सम्पूर्ण		
7	सप्तम पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 1 से 6 सम्पूर्ण	5	
		(ख) निरुक्त 1 अध्याय	पाद 5 सम्पूर्ण		
		(ग) आर्षेय ब्राह्मण	अध्याय 3 सम्पूर्ण		

8	अष्टम पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 7 एवं 8 सम्पूर्ण	5	
		(ख) निरुक्त 1 अध्याय	पाद 6 सम्पूर्ण		
9	नवम पक्ष	(क) आर्षेय ब्राह्मण	अध्याय 4 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र संख्या1		
10	दशम पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 में मन्त्र 2 से 4	5	
		(ख) जैमिनी आर्षेय ब्राह्मण	अध्याय 5 सम्पूर्ण		
11	एकादश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 में मन्त्र 5-8 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 1 अनुवाक 1-6		
		(ग) जैमिनी आर्षेय ब्राह्मण	अध्याय 6 सम्पूर्ण		
12	द्वादश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र 9 - 14 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 1 अनुवाक 7 से 12		
		(ग) जैमिनी आर्षेय ब्राह्मण	अध्याय 7 सम्पूर्ण		
13	त्रयोदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 में मन्त्र 15-18 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 1 अनुवाक 13 से 18		
14	चतुर्दश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र 19-20 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 2 अनुवाक 1 से 13 सम्पूर्ण		
15	पञ्चदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 में मन्त्र संख्या 21-25 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 3 अनुवाक 1 से 5		
16	षोडश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 में मन्त्र संख्या 26-30 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 3 अनुवाक 6 से 11		

17	सप्तदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 में मन्त्र संख्या 31-40 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 3 अनुवाक 12 से 17		
18	अष्टादश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 में मन्त्र संख्या 36-40 सम्पूर्ण	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 4 अनुवाक 1 से 6		
19	नवदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र संख्या 41-45 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 4 अनुवाक 7 से 12		
20	विंश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र संख्या 46-50 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 4 अनुवाक 13 से 19 सम्पूर्ण		
नोट -कण्ठस्थीकरण उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की , 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।				100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद जैमिनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण द्वितीयवर्ष (उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा XII समकक्ष)

(क) नारदीय शिक्षा - द्वितीय प्रपाठक सम्पूर्णम्।
(ख) जैमिनी महाब्राह्मणम् - 1 काण्ड सम्पूर्ण (मन्त्र संख्या 51 से 364 पर्यन्त)
(ग) ऊह उषाणि गायन में अग्निष्टोमपर्व एवं अतिरात्र पर्व (मन्त्र सं. 1-38 एवं 39-86)
(घ) निरुक्त - 2 अध्याय सम्पूर्णम्

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र संख्या 51-65	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 1 सम्पूर्ण		
2	द्वितीय पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र संख्या 66-80	5	
		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 2 सम्पूर्ण		
3	तृतीय पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र संख्या 81-95	5	
		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 3 सम्पूर्ण		
4	चतुर्थ पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं 96 -110	5	
		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 4 सम्पूर्ण		
5	पञ्चम पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 111-120	5	
		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 5 सम्पूर्ण		
6	षष्ठ पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 121-135	5	

		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 6 सम्पूर्ण		
7	सप्तम पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 136-150	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 7 सम्पूर्ण		
8	अष्टम पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 151-165	5	
		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 8 सम्पूर्ण		
9	नवम पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 166-180	5	
		(ख) निरुक्त -द्वितीय अध्याय	अध्याय 2 पाद 1 सम्पूर्ण		
10	दशम पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 181-195	5	
		(ख) निरुक्त -द्वितीय अध्याय	अध्याय 2 पाद 2 सम्पूर्ण		
11	एकादश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 196-210	5	
		(ख) निरुक्त -द्वितीय अध्याय	अध्याय 2 पाद 3 सम्पूर्ण		
12	द्वादश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 211-225	5	
		(ख) निरुक्त -द्वितीय अध्याय	अध्याय 2 पाद 4 सम्पूर्ण		
13	त्रयोदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 226-240	5	
		(ख) निरुक्त -द्वितीय अध्याय	अध्याय 2 पाद 5 सम्पूर्ण		
14	चतुर्दश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 241-255	5	

		(ख) निरुक्त -द्वितीय अध्याय	अध्याय 2 पाद 6 सम्पूर्ण		
15	पञ्चदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 145-270	5	
		(ख) निरुक्त -द्वितीय अध्याय	अध्याय 2 पाद 7 सम्पूर्ण		
16	षोडश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 271-295	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) ऊहगानम्	अग्निष्टोमपर्व मन्त्र 1 से 7		
17	सप्तदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 296-310	5	
		(ख) ऊहगानम्	अग्निष्टोमपर्व मन्त्र 8 से 14		
18	अष्टादश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 311-330	5	
		(ख) ऊहगानम्	अतिरात्रपर्व मन्त्र 1 से 8		
19	नवदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 331-350	5	
		(ख) ऊहगानम्	अतिरात्रपर्व मन्त्र 9 से सम्पूर्ण		
20	विंश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 351-364	5	
नोट -कण्ठस्थीकरणउच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक , की100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।				100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद शौनक शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)					
त्रिकालसन्ध्याविधि । अभिवादन । अग्निकार्य । यज्ञोपवीतधारण विधि । भोजनविधि । मङ्गलाचरण । अथर्ववेद संहिता 1 काण्ड सम्पूर्ण एवं 2 काण्ड 3 अनुवाक पर्यन्त। माण्डूकीशिक्षा (मूलमात्र)					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	त्रिकालसन्ध्याविधि, अभिवादन		10	परम्परागत 16 सन्था पद्धति पाद-अर्धऋक्-मन्त्र-सूक्त सन्था प्रत्येक सन्था 4-4 बार होती है कुल 16 सन्था होती है। (7 बार बोलते है) प्रचलित 5 सन्था पद्धति पाद-अर्धऋक्-मन्त्र-सूक्त, अनुवाक सन्था प्रत्येक सन्था 1-1 बार होती है। सभी 10 बार बोलतें है। सम्पूर्ण मन्त्र अध्यापन 10 बार कराते हैं। प्रत्येक सन्था व आवृत्ति गुरु सान्निध्य में ही आवश्यक है। प्रत्येक अनुवाक के अध्ययन व सन्था के बाद आवृतिक्रम 10 दिन तक लगातार होना चाहिये।
2	द्वितीय माह	अग्निकार्य, यज्ञोपवीतधारण विधि		10	
3	तृतीय माह	भोजन-विधि, मङ्गलाचरण - स्वस्ति + सांमनस्य + शान्तिसूक्त	44	10	
4	चतुर्थ माह	अथर्ववेद संहिता 1 काण्ड 1 अनुवाक	29	10	
5	पञ्चम माह	अथर्ववेद संहिता 1 काण्ड 2, 3 अनुवाक	45	10	
6	षष्ठ माह	अथर्ववेद संहिता 1 काण्ड 4, 5 अनुवाक	48	10	
7	सप्तम माह	अथर्ववेद संहिता 1 काण्ड 6 अनुवाक। 2 काण्ड 1 अनुवाक	60	0	
8	अष्टम माह	अथर्ववेद संहिता 2 काण्ड 2 अनुवाक	28	10	
9	नवम माह	अथर्ववेद संहिता 2 काण्ड 3 अनुवाक । माण्डूकीशिक्षा (1 से 100 श्लोक)	42	10	
10	दशम माह	माण्डूकीशिक्षा (मूलमात्र) 111 - 186 श्लोक)		10	
			296 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद शौनक शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)					
अथर्ववेद संहिता 2 काण्ड 3 अनुवाक से 5 काण्ड 1 अनुवाक पर्यन्त । गोपथब्राह्मण पूर्वभाग 1 प्रपाठक । निघण्टु प्रथम एवं द्वितीय अध्याय					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	अथर्ववेद संहिता 2 काण्ड 3, 4 अनुवाक	48	10	परम्परागत 16 सन्था पद्धति पाद-अर्धऋक्-मन्त्र-सूक्त सन्था प्रत्येक सन्था 4-4 बार होती है कुल 16 सन्था होती है। (7 बार बोलते है) प्रचलित 5 सन्था पद्धति पाद-अर्धऋक्-मन्त्र-सूक्त, अनुवाक सन्था प्रत्येक सन्था 1-1 बार होती है। सभी 10 बार बोलतें है। सम्पूर्ण मन्त्र अध्यापन 10 बार कराते हैं। प्रत्येक सन्था व आवृत्ति गुरु सान्निध्य में ही आवश्यक है। प्रत्येक अनुवाक के अध्ययन व सन्था के बाद आवृतिक्रम 10 दिन तक लगातार होना चाहिये।
2	द्वितीय माह	अथर्ववेद संहिता 2 काण्ड 5, 6 अनुवाक	60	10	
3	तृतीय माह	अथर्ववेद संहिता 3 काण्ड 1, 2 अनुवाक	73	10	
4	चतुर्थ माह	अथर्ववेद संहिता 3 काण्ड 3, 4 अनुवाक	78	10	
5	पञ्चम माह	अथर्ववेद संहिता 3 काण्ड 5, 6 अनुवाक	79	10	
6	षष्ठ माह	अथर्ववेद संहिता 4 काण्ड 1, 2 अनुवाक	76	10	
7	सप्तम माह	अथर्ववेद संहिता 4 काण्ड 3, 4 अनुवाक	93	0	
8	अष्टम माह	गोपथब्राह्मण पूर्वभाग 1 प्रपाठक 1-20 कंडिका, निघण्टु 1, 2 अध्याय		10	
9	नवम माह	अथर्ववेद संहिता 4 काण्ड 5, 6 अनुवाक; गोपथब्राह्मण 1 प्रपाठक 21-39	71	10	
10	दशम माह	अथर्ववेद संहिता 4 काण्ड 7, 8 अनुवाक अथर्ववेद संहिता 5 काण्ड 1 अनुवाक	132	10	
			710 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद शौनक शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)					
अथर्ववेद संहिता 5 काण्ड के 2 अनुवाक से 7 काण्ड पर्यन्त । गोपथब्राह्मण पूर्व भाग 2 एवं 3 प्रपाठक सम्पूर्ण । निघण्टु 3 अध्याय ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम	अथर्ववेद संहिता 5 काण्ड 2, 3, 4 अनुवाक	189	10	परम्परागत 16 सन्था पद्धति पाद-अर्धऋक्-मन्त्र-सूक्त सन्था प्रत्येक सन्था 4-4 बार होती है कुल 16 सन्था होती है। (7 बार बोलते है) प्रचलित 5 सन्था पद्धति पाद-अर्धऋक्-मन्त्र-सूक्त, अनुवाक सन्था प्रत्येक सन्था 1-1 बार होती है। सभी 10 बार बोलतें है। सम्पूर्ण मन्त्र अध्यापन 10 बार कराते हैं। प्रत्येक सन्था व आवृत्ति गुरु सान्निध्य में ही आवश्यक है। प्रत्येक अनुवाक के अध्ययन व सन्था के बाद आवृतिक्रम 10 दिन तक लगातार होना चाहिये।
2	द्वितीय	अथर्ववेद संहिता 5 काण्ड 5, 6 अनुवाक अथर्ववेद संहिता 6 काण्ड 1 अनुवाक	169	10	
3	तृतीय	अथर्ववेद संहिता 6 काण्ड 2, 3, 4 अनुवाक	98	10	
4	चतुर्थ	अथर्ववेद संहिता 6 काण्ड 5, 6, 7 अनुवाक	94	10	
5	पञ्चम	अथर्ववेद संहिता 6 काण्ड 8, 9, 10 अनुवाक	93	10	
6	षष्ठ	अथर्ववेद संहिता 6 काण्ड 11, 12, 13 अनुवाक	139	10	
7	सप्तम	अथर्ववेद संहिता 7 काण्ड 1 अनुवाक गोपथब्राह्मण पूर्वभाग 2 प्रपाठक, (1-23 कंडिका) निघण्टु 3 अध्याय	28	0	
8	अष्टम	अथर्ववेद संहिता 7 काण्ड 2, 3, 4 अनुवाक गोपथब्राह्मण 3 प्रपाठक (1-24 कंडिका)	83	10	
9	नवम	अथर्ववेद संहिता 7 काण्ड 5, 6, 7 अनुवाक	98	10	
10	दशम	अथर्ववेद संहिता 7 काण्ड 8, 9, 10 अनुवाक	77	10	
			1068 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद शौनक शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)					
अथर्ववेद संहिता 8 काण्ड से 10 काण्ड 5 अनुवाक । गोपथब्राह्मण 4 तथा 5 प्रपाठक । निघण्टु 4, 5 अध्याय					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम	अथर्ववेद संहिता 8 काण्ड 1, 2 अनुवाक	100	10	परम्परागत 16 सन्था पद्धति पाद-अर्धऋक्-मन्त्र-सूक्त सन्था प्रत्येक सन्था 4-4 बार होती है कुल 16 सन्था होती है। (7 बार बोलते है) प्रचलित 5 सन्था पद्धति पाद-अर्धऋक्-मन्त्र-सूक्त, अनुवाक सन्था प्रत्येक सन्था 1-1 बार होती है। सभी 10 बार बोलतें है। सम्पूर्ण मन्त्र अध्यापन 10 बार कराते हैं। प्रत्येक सन्था व आवृत्ति गुरु सान्निध्य में ही आवश्यक है। प्रत्येक अनुवाक के अध्ययन व सन्था के बाद आवृतिक्रम 10 दिन तक लगातार होना चाहिये।
2	द्वितीय	अथर्ववेद संहिता 8 काण्ड 3, 4 अनुवाक	100	10	
3	तृतीय	अथर्ववेद संहिता 8 काण्ड 5 अनुवाक। निघण्टु 4 अध्याय	93	10	
4	चतुर्थ	अथर्ववेद संहिता 9 काण्ड 1, 2 अनुवाक	104	10	
5	पञ्चम	अथर्ववेद संहिता 9 काण्ड 3, 4 अनुवाक	159	10	
6	षष्ठ	अथर्ववेद संहिता 9 काण्ड 5 अनुवाक। निघण्टु 5 अध्याय	50	10	
7	सप्तम	अथर्ववेद संहिता 10 काण्ड 1, 2 अनुवाक	116	0	
8	अष्टम	गोपथब्राह्मण 4 प्रपाठक (1-24) कंडिका		10	
9	नवम	अथर्ववेद संहिता 10 काण्ड 3, 4 अनुवाक	173	10	
10	दशम	अथर्ववेद संहिता 10 काण्ड 5 अनुवाक गोपथब्राह्मण 5 प्रपाठक (1-25 कंडिका)	61	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			956 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
अथर्ववेद शौनक शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)					
अथर्ववेद संहिता 11 काण्ड से 15 काण्ड 2 अनुवाक पर्यन्त । गोपथब्राह्मण उत्तरभाग 1, 2 एवं 3 प्रपाठक । प्रश्नोपनिषद् (मूलमात्र)					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम	अथर्ववेद संहिता 11 काण्ड 1, 2 अनुवाक। गोपथब्राह्मण उत्तरभाग 1 प्रपाठक 1-23 कंडिका	150	10	परम्परागत 16 सन्था पद्धति पाद-अर्धऋक्-मन्त्र-सूक्त सन्था प्रत्येक सन्था 4-4 बार होती है कुल 16 सन्था होती है। (7 बार बोलते है) प्रचलित 5 सन्था पद्धति पाद-अर्धऋक्-मन्त्र-सूक्त, अनुवाक सन्था प्रत्येक सन्था 1-1 बार होती है। सभी 10 बार बोलतें है। सम्पूर्ण मन्त्र अध्यापन 10 बार कराते हैं। प्रत्येक सन्था व आवृत्ति गुरु सान्निध्य में ही आवश्यक है। प्रत्येक अनुवाक के अध्ययन व सन्था के बाद आवृतिक्रम 10 दिन तक लगातार होना चाहिये।
2	द्वितीय	अथर्ववेद संहिता 11 काण्ड 3, 4 अनुवाक	110	10	
3	तृतीय	अथर्ववेद संहिता 11 काण्ड 5 अनुवाक। अथर्ववेद संहिता 12 काण्ड 1 अनुवाक	116	10	
4	चतुर्थ	अथर्ववेद संहिता 12 काण्ड 2, 3 अनुवाक	115	10	
5	पञ्चम	अथर्ववेद संहिता 12 काण्ड 4, 5 अनुवाक	126	10	
6	षष्ठ	अथर्ववेद संहिता 13 काण्ड 1 अनुवाक गोपथब्राह्मण उत्तर भाग 2 प्रपाठक (1-24 कंडिका)	60	10	
7	सप्तम	अथर्ववेद संहिता 13 काण्ड 2, 3 अनुवाक	72	0	
8	अष्टम	अथर्ववेद संहिता 13 काण्ड 4 अनुवाक प्रश्नोपनिषद् (मूलमात्रम्)	56	10	
9	नवम	अथर्ववेद संहिता 14 काण्ड 1, 2 अनुवाक	139	10	
10	दशम	अथर्ववेद संहिता 15 काण्ड 1, 2 अनुवाक गोपथब्राह्मण उत्तरभाग 3 प्रपाठक (1-23 कंडिका)	230	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			1174 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद शौनक शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण प्रथमवर्ष (उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा XI समकक्ष)					
अथर्ववेद संहिता 16 काण्ड से 19 काण्ड पर्यन्त । माण्डूक्योपनिषद् (मूलमात्र) । गोपथब्राह्मण उत्तरभाग 4, 5, 6 प्रपाठक					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम	अथर्ववेद संहिता 16 काण्ड 1, 2 अनुवाक	103	10	परम्परागत 16 सन्था पद्धति पाद-अर्धऋक्-मन्त्र-सूक्त सन्था प्रत्येक सन्था 4-4 बार होती है कुल 16 सन्था होती है। (7 बार बोलते है) प्रचलित 5 सन्था पद्धति पाद-अर्धऋक्-मन्त्र-सूक्त, अनुवाक सन्था प्रत्येक सन्था 1-1 बार होती है। सभी 10 बार बोलतें है। सम्पूर्ण मन्त्र अध्यापन 10 बार कराते हैं। प्रत्येक सन्था व आवृत्ति गुरु सान्निध्य में ही आवश्यक है। प्रत्येक अनुवाक के अध्ययन व सन्था के बाद आवृतिक्रम 10 दिन तक लगातार होना चाहिये।
2	द्वितीय	अथर्ववेद संहिता 17 काण्ड 1 अनुवाक मुण्डकोपनिषद् (मूलमात्रम्)	30	10	
3	तृतीय	अथर्ववेद संहिता 18 काण्ड 1, 2 अनुवाक	121	10	
4	चतुर्थ	अथर्ववेद संहिता 18 काण्ड 3, 4 अनुवाक	162	10	
5	पञ्चम	गोपथब्राह्मण उत्तरभाग 4 प्रपाठक (1-19 कंडिका)		10	
6	षष्ठ	अथर्ववेद संहिता 19 काण्ड 1, 2 अनुवाक	131	10	
7	सप्तम	अथर्ववेद संहिता 19 काण्ड 3, 4 अनुवाक	133	0	
8	अष्टम	अथर्ववेद संहिता 19 काण्ड 5, अनुवाक गोपथब्राह्मण उत्तरभाग 5 प्रपाठक (1-15 कंडिका)	75	10	
9	नवम	अथर्ववेद संहिता 19 काण्ड 6 अनुवाक गोपथब्राह्मण उत्तरभाग 6 प्रपाठक (1-16 कंडिका)	61	10	
10	दशम	अथर्ववेद संहिता 19 काण्ड 7 अनुवाक माण्डूक्योपनिषद् (मूलमात्रम्)	53	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			869 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद शौनक शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण द्वितीयवर्ष (उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा XII समकक्ष)					
अथर्ववेद संहिता 20 काण्ड सम्पूर्ण । अथर्ववेद संहिता 1 काण्ड पदपाठ 1-6 अनुवाक । कुन्तापसूक्त । पद-क्रम-जटा-घन लक्षण । भूमिसूक्तभाष्य					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम	अथर्ववेद संहिता 20 काण्ड 1 अनुवाक	64	10	परम्परागत 16 सन्था पद्धति पाद-अर्धऋक्-मन्त्र-सूक्त सन्था प्रत्येक सन्था 4-4 बार होती है कुल 16 सन्था होती है। (7 बार बोलते है) प्रचलित 5 सन्था पद्धति पाद-अर्धऋक्-मन्त्र-सूक्त, अनुवाक सन्था प्रत्येक सन्था 1-1 बार होती है। सभी 10 बार बोलतें है। सम्पूर्ण मन्त्र अध्यापन 10 बार कराते हैं। प्रत्येक सन्था व आवृत्ति गुरु सान्निध्य में ही आवश्यक है। प्रत्येक अनुवाक के अध्ययन व सन्था के बाद आवृतिक्रम 10 दिन तक लगातार होना चाहिये।
2	द्वितीय	अथर्ववेद संहिता 20 काण्ड 2 अनुवाक अथर्ववेद संहिता 1 काण्ड (पदपाठ) 1 अनुवाक	34 + 29	10	
3	तृतीय	अथर्ववेद संहिता 20 काण्ड 3 अनुवाक अथर्ववेद संहिता 1 काण्ड (पदपाठ) 2 अनुवाक	99 + 25	10	
4	चतुर्थ	अथर्ववेद संहिता 20 काण्ड 4 अनुवाक अथर्ववेद संहिता 1 काण्ड (पदपाठ) 3 अनुवाक	56 + 20	10	
5	पञ्चम	अथर्ववेद संहिता 20 काण्ड 5 अनुवाक अथर्ववेद संहिता 1 काण्ड (पदपाठ) 4 अनुवाक	157 + 20	10	
6	षष्ठ	अथर्ववेद संहिता 20 काण्ड 6 अनुवाक अथर्ववेद संहिता 1 काण्ड (पदपाठ) 5 अनुवाक	67 + 28	10	
7	सप्तम	अथर्ववेद संहिता 20 काण्ड 7 अनुवाक अथर्ववेद संहिता 1 काण्ड (पदपाठ) 6 अनुवाक	83 + 31	0	
8	अष्टम	अथर्ववेद संहिता 20 काण्ड 8 अनुवाक	80	10	
9	नवम	अथर्ववेद संहिता 20 काण्ड 9 अनुवाक, कुन्ताप सूक्त सहित	318	10	
10	दशम	पद-क्रम-जटा-घन लक्षण + भूमिसूक्त भाष्य		10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			958 मन्त्र 153 पदपाठ	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)					
प्रथम काण्ड, कंडिका 112, अनुवाक 22, मन्त्र संख्या 487 द्वितीय काण्ड, कंडिका 91, अनुवाक 18, मन्त्र संख्या 484 सन्ध्यावन्दन, अभिवादन, अग्निकार्य, माण्डूकीशिक्षा					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम	शं नो देवी से मनोविदन पर्यन्त प्रथम काण्ड 1 से 4 अनुवाक, 1 से 20 कंडिका	85	7	प्रथम मास द्वितीया से प्रारम्भ होकर सप्तमी पर्यन्त गुरु छात्र को पढायेंगे। गुरु दो बार मन्त्रार्ध को उच्चारण करेंगे छात्र चार बार पढेंगे। नवमी से छात्रों को गुरु त्रयोदशी पर्यन्त स्वयं बैठकर सन्था करायेंगे। तृतीय सप्ताह में छात्र कण्ठस्थ करेंगे और चतुर्थ सप्ताह में गुरु को कण्ठस्थ सुनायेंगे। चतुर्थ सप्ताह से पूर्वपाठ की आवृत्ति चलेगी तत् पश्चात् नूतन पाठ पठाया जाएगा। प्रथम वर्ष में जो पाठ पूर्ण नहीं होगा उसे द्वितीय वर्ष में पूरा कराना पडेगा।
2	द्वितीय	नाशन्नसन् से ममोभामित्रा पर्यन्त प्रथम काण्ड 5 से 8 अनुवाक, 21 से 40 कंडिका	80	7	
3	तृतीय	अग्नेभ्यावति से अभित्वामहमोज पर्यन्त प्रथम काण्ड 9 से 12 अनुवाक, 41 से 60 कंडिका	82	7	
4	चतुर्थ	यस्त्वा मृत्यु से संपश्यमाना पर्यन्त प्रथम काण्ड 13 से 16 अनुवाक, 61 से 80 कंडिका	83	7	
5	पञ्चम	यज्ञस्य चक्षु से उदेहि देवी पर्यन्त प्रथम काण्ड 17 से 20 अनुवाक 81 से 100 कंडिका	80	7	
6	षष्ठ	त्रीणि पात्राणि से इमा उरू पर्यन्त प्रथम काण्ड 21 से 22 अनुवाक 101 से 112 कंडिका	77	7	
7	सप्तम	अरसं प्राच्यं से इमा ना वमा पर्यन्त द्वितीय काण्ड 1 से 4 अनुवाक 1 से 20 कंडिका	100	7	

8	अष्टम	आनो अग्ने से इहेत देवी पर्यन्त द्वितीय काण्ड 5 से 8 अनुवाक 21 से 40 कंडिका	102	7	
9	नवम	उदसौ सूर्यो से यज्ञं यन्तं पर्यन्त द्वितीय काण्ड 9 से 12 अनुवाक 41 से 60 कंडिका	110	10	
10	दशम	येभिः पाशै से तूलिमुल्यर्जूनि पर्यन्त द्वितीय काण्ड 13 से 18 अनुवाक 61 से 91 कंडिका	172	5	
11		सन्ध्यावन्दन, अभिवादन, अग्निकार्य, माण्डूकीशिक्षा		15	
			971 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)					
तृतीय काण्ड, कंडिका 40, अनुवाक 8, मन्त्र संख्या 278 चतुर्थ काण्ड, कंडिका 40, अनुवाक 8, मन्त्र संख्या 300 पञ्चम काण्ड, कंडिका 40, अनुवाक 8, मन्त्र संख्या 355					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम	आत्वागन् राष्ट्रं से यां त्वा वातो वरयदायार्द्र पर्यन्त तृतीय काण्ड 1 से 3 अनुवाक, 1 से 15 कंडिका	95	10	प्रथम मास द्वितीया से प्रारम्भ होकर सप्तमी पर्यन्त गुरु छात्र को पढायेंगे। गुरु दो बार मन्त्रार्ध को उच्चारण करेंगे छात्र चार बार पढेंगे। नवमी से छात्रों को गुरु त्रयोदशी पर्यन्त स्वयं बैठकर सन्था करायेंगे। तृतीय सप्ताह में छात्र कण्ठस्थ करेंगे और चतुर्थ सप्ताह में गुरु को कण्ठस्थ सुनायेंगे। तत् पश्चात् नूतन पाठ पढाया जाएगा। द्वितीय वर्ष में जो पाठ सम्पूर्ण नहीं होगा उसे तृतीय वर्ष में ही समापन करना होगा। गोपथ ब्राह्मण के केवल कुछ ही अंश कण्ठस्थ करेंगे सम्पूर्ण नहीं।
2	द्वितीय	पैद्वसि पृत नायुः से यथा कलां यथा शफं पर्यन्त तृतीय काण्ड 4 से 6 अनुवाक, 16 से 30 कंडिका	96	10	
3	तृतीय	देवा मरुतः से ते जना त्यजनं पर्यन्त तृतीय काण्ड 7 से 8 अनुवाक, 31 से 40 कंडिका	95	10	
4	चतुर्थ	हिरण्यगर्भ से येनाचर दुशना चतुर्थ काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	93	10	
5	पञ्चम	त्वया मन्यो सरथं से वाताज्जात अन्तरिक्ष पर्यन्त चतुर्थ काण्ड 3 से 5 अनुवाक, 12 से 25 कंडिका	90	10	
6	षष्ठ	कन्या वारवायति से शुनं वत्सानपाकरोमि पर्यन्त चतुर्थ काण्ड 6 से 8 अनुवाक, 26 से 46 कंडिका	90	10	
7	सप्तम	नमः पिशङ्ग बाह वै से इयं या मुसला हता पर्यन्त पञ्चम काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	94	10	

8	अष्टम	अनुते मन्यतामग्नि से द्यौश्च नः पिता पर्यन्त पञ्चम काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 11 से 21 कंडिका	90	10	
9	नवम	यौ हेमन्तं से पयस्वतिरोषधय पर्यन्त पञ्चम काण्ड 5 से 6 अनुवाक, 22 से 30 कंडिका	90	10	
10	दशम	अत्यासरत् प्रथमा से देवस्यत्वा पर्यन्त पञ्चम काण्ड 7 से 8 अनुवाक, 31 से 40 कंडिका	93	10	
		गोपथब्राह्मण सम्बन्धी साधारण ज्ञान			
		गोपथब्राह्मण प्रथम भाग प्रपाठक 1 से 20 कंडिका		15	
		गोपथब्राह्मण द्वितीय प्रपाठक 21 से 39 कंडिका		15	
			933 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)					
षष्ठ काण्ड, कंडिका 23, अनुवाक 4, मन्त्र संख्या 237 सप्तम काण्ड, कंडिका 20, अनुवाक 4, मन्त्र संख्या 221 अष्टम काण्ड, कंडिका 20, अनुवाक 4, मन्त्र संख्या 230 नवम काण्ड, कंडिका 29, अनुवाक 4, मन्त्र संख्या 304					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम	तदिदास से कर्कीसुभार्षभस्य षष्ठ काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	103	10	प्रथम मास द्वितीया से प्रारम्भ होकर सप्तमी पर्यन्त गुरु छात्र को पढायेंगे। गुरु दो बार मन्त्रार्ध को उच्चारण करेंगे छात्र चार बार पढेंगे। नवमी से छात्रों को गुरु त्रयोदशी पर्यन्त स्वयं बैठकर सन्था करायेंगे। तृतीय सप्ताह में छात्र कण्ठस्थ करेंगे और चतुर्थ सप्ताह में गुरु को कण्ठस्थ सुनायेंगे। चतुर्थ सप्ताह से पूर्वपाठ की आवृत्ति चलेगी तत् पश्चात् नूतन पाठ पढाया जाएगा।
2	द्वितीय	ब्रह्म जज्ञानं से निर्णुदैनां पर्यन्त षष्ठ काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 11 से 23 कंडिका	134	10	
3	तृतीय	सुपर्णस्त्वा से ऐतुदेव पर्यन्त सप्तम काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	111	10	
4	चतुर्थ	ये पर्वताः से सगराय शत्रूहणे पर्यन्त सप्तम काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 11 से 20 कंडिका	110	10	
5	पञ्चम	कथादिवे से यदश्विना ओषधि पर्यन्त अष्टम काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	115	10	
6	षष्ठ	चतस्रस्ते से सूर्यो मा वर्चसो पर्यन्त अष्टम काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 11 से 20 कंडिका	115	10	
7	सप्तम	उद्धर्वा अस्य से सहस्र बाहुः पर्यन्त नवम काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 5 कंडिका	70	0	

8	अष्टम	इमां खनाम्योषधीं से जीवातवे न नवम काण्ड 2 से 3 अनुवाक, 6 से 10 कंडिका	70	10	
9	नवम	मातरिश्वा से तेऽवदन प्रथमा नवम काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 11 से 15 कंडिका	70	10	
10	दशम	न तत्र धेनु से इमास्तपन्तु पर्यन्त नवम काण्ड 4 अनुवाक, 16 से 29 कंडिका	96	10	
11	एकादश	ॐ ब्रह्म चारिष्णं से सान्तपनारिदर्घव अथ प्रजापतिसोमेन पर्यन्त गोपथब्राह्मण पूर्व भाग 2 प्रपाठक, 1 से 24 कंडिका		15	
12	द्वादश	ॐ दक्षिणा प्रवणा से अथ यस्य दीक्षितस्यर्त्तुमती पर्यन्त गोपथब्राह्मण पूर्व भाग 3 प्रपाठक, 1 से 23 कंडिका		15	
			992 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)

दशम काण्ड - कंडिका 16, अनुवाक 3, मन्त्र संख्या 163
एकादश काण्ड - कंडिका 16, अनुवाक 3, मन्त्र संख्या 148
द्वादश काण्ड - कंडिका 22, अनुवाक 4, मन्त्र संख्या 188
त्रयोदश काण्ड - कंडिका 9, अनुवाक 2, मन्त्र संख्या 65
चतुर्दश काण्ड - कंडिका 9, अनुवाक 2, मन्त्र संख्या 84
पञ्चदश काण्ड - कंडिका 23, अनुवाक 5, मन्त्र संख्या 117

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम	हा अम्ब तेजने से अगन्म देवा पर्यन्त दशम काण्ड 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	81	9	प्रथम मास द्वितीया से प्रारम्भ होकर सप्तमी पर्यन्त गुरु छात्र को पढायेंगे। गुरु दो बार मन्त्रार्ध को उच्चारण करेंगे छात्र चार बार पढेंगे। नवमी से छात्रों को गुरु त्रयोदशी पर्यन्त स्वयं बैठकर सन्था करायेंगे। तृतीय सप्ताह में छात्र कण्ठस्थ करेंगे और चतुर्थ सप्ताह में गुरु को कण्ठस्थ सुनायेंगे। चतुर्थ सप्ताह से पूर्वपाठ की आवृत्ति चलेगी तत् पश्चात् नूतन पाठ पढाया जाएगा।
2	द्वितीय	यो नः स्व यो से अहा रक्षित पर्यन्त दशम काण्ड 3 अनुवाक, 11 से 16 कंडिका	76	9	
3	तृतीय	वृषा तेऽहं वृषाण्य से सप्तैतं सप्त पर्यन्त एकादश काण्ड 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	76	9	
4	चतुर्थ	यत् कीनाशं से उर्द्ध त्रितो वै पर्यन्त एकादश काण्ड 3 अनुवाक, 11 से 16 कंडिका	70	9	
5	पञ्चम	अग्नि स्तकमान से रूपमेक पर्य पर्यन्त द्वादश काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	80	9	
6	षष्ठ	पदे पदे कल्पयन्त से निक्षदर्भ सपत्नान् पर्यन्त द्वादश काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 11 से 22 कंडिका	78	9	
7	सप्तम	अन्तर्हित मे से मरीचि रासीत् पर्यन्त त्रयोदश काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 9 कंडिका	76	9	

8	अष्टम	एन्द्रो बाहूभ्या से अन्धं रात्रि तिष्ठ पर्यन्त चतुर्दश काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 9 कंडिका	76	9	
9	नवम	सम्यन्दिगभ्य से जीमूतस्येव पर्यन्त पन्द्रह काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 10 कंडिका	76	9	
10	दशम	बृहस्पतिर्नः से वृषाक्षस्यासुरस्य पर्यन्त पन्द्रह काण्ड 3 से 5 अनुवाक, 11 से 23 कंडिका	76	9	
11	एकादश	ओं अयं वै से सप्त सुत्याः सप्त पाक प्रतिदिन गुरु छात्रों के पास बैठ कर पूर्व पाठ की आवृत्ति करावें। गोपथब्राह्मण 4 अनुवाक, 1 से 24 कंडिका गोपथब्राह्मण 5 अनुवाक, 1 से 25 कंडिका	76	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			765 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)					
षोडश काण्ड, कंडिका 155, अनुवाक 22, मन्त्र संख्या 1379					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम	अन्तकाय से इन्द्रस्य प्रथमो रथ पर्यन्त षोडश काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 15 कंडिका	140	9	प्रथम मास द्वितीया से प्रारम्भ होकर सप्तमी पर्यन्त गुरु छात्र को पढायेंगे। गुरु दो बार मन्त्रार्ध को उच्चारण करेंगे छात्र चार बार पढेंगे। नवमी से छात्रों को गुरु त्रयोदशी पर्यन्त स्वयं बैठकर सन्था करायेंगे। तृतीय सप्ताह में छात्र कण्ठस्थ करेंगे और चतुर्थ सप्ताह में गुरु को कण्ठस्थ सुनायेंगे। चतुर्थ सप्ताह से पूर्वपाठ की आवृत्ति चलेगी तत् पश्चात् नूतन पाठ पढाया जाएगा।
2	द्वितीय	पैद्वस्य मन्महे से मृत्यु दूतामून्नयत षोडश काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 16 से 30 कंडिका	137	9	
3	तृतीय	दिशश्चतस्रो से असपत्नः सपत्नहा पर्यन्त षोडश काण्ड 5 से 6 अनुवाक, 31 से 45 कंडिका	137	9	
4	चतुर्थ	का चासि क्षमा से प्रिया प्रियाणि पर्यन्त षोडश काण्ड 7 से 9 अनुवाक, 46 से 60 कंडिका	137	9	
5	पञ्चम	केन देवाङ् से बहिर्बिलं निर्द्रवतु पर्यन्त षोडश काण्ड 10 से 12 अनुवाक, 61 से 75 कंडिका	137	9	
6	षष्ठ	सपत्नहनमृषभं से पुमान् पुंसो अधि पर्यन्त षोडश काण्ड 13 से 14 अनुवाक, 76 से 90 कंडिका	137	9	
7	सप्तम	सहस्र पृष्ठः से मानो अश्वेषु पर्यन्त षोडश काण्ड 15 से 17 अनुवाक, 91 से 106 कंडिका	147	9	
8	अष्टम	नमस्ते जायमानायै से एते वै प्रियाश्चा पर्यन्त षोडश काण्ड 18 से 19 अनुवाक, 107 से 116 कंडिका	137	9	
9	नवम	स उपहूतः पृथिव्यां से यदर्वाचीनमेक पर्यन्त षोडश काण्ड 20 से 21 अनुवाक, 117 से 130 कंडिका	137	9	

10	दशम	विष्णोः क्रमोऽसि से पार्थिवा दिव्याः पर्यन्त षोडश काण्ड 22 अनुवाक, 131 से 155 कंडिका	137	9	
11	एकादश	अथ यत् ब्रह्म सदनात् से त्रयोदशं वा एतं पर्यन्त गोपथ ब्राह्मण उत्तरभाग 1 अनुवाक, 1 से 25 कंडिका		5	
12	द्वादश	ॐ मासीयन्ति वा से स वृतो यज्ञो वा गोपथ ब्राह्मण उत्तरभाग 2 अनुवाक, 1 से 25 कंडिका		5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			1379 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण प्रथमवर्ष (उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा XI समकक्ष)					
सप्तदश काण्ड, कंडिका 55, अनुवाक 8, मन्त्र संख्या 474 अष्टादश काण्ड, कंडिका 82, अनुवाक 12, मन्त्र संख्या 715					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम	सत्यं बृहदृतमुग्रं से या धान्यात् पर्यन्त सप्तदश काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 13 कंडिका	137	9	प्रथम मास द्वितीया से प्रारम्भ होकर सप्तमी पर्यन्त गुरु छात्र को पढायेंगे। गुरु दो बार मन्त्रार्ध को उच्चारण करेंगे छात्र चार बार पढेंगे। नवमी से छात्रों को गुरु त्रयोदशी पर्यन्त स्वयं बैठकर सन्था करायेंगे। तृतीय सप्ताह में छात्र कण्ठस्थ करेंगे और चतुर्थ सप्ताह में गुरु को कण्ठस्थ सुनायेंगे। चतुर्थ सप्ताह से पूर्वपाठ की आवृत्ति चलेगी तत् पश्चात् नूतन पाठ पढाया जाएगा।
2	द्वितीय	दुःशङ्काशे भीम से इन्द्रो वज्र मसिंचत पर्यन्त सप्तदश काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 14 से 27 कंडिका	137	9	
3	तृतीय	तमादत्त तमुदैङ्गयत से इन्द्रोवलेनासि पर्यन्त सप्तदश काण्ड 5 से 6 अनुवाक, 28 से 43 कंडिका	137	9	
4	चतुर्थ	न डमारोह से एषा त्वचां पुरुषे पर्यन्त सप्तदश काण्ड 7 से 8 अनुवाक, 44 से 55 कंडिका	137	9	
5	पञ्चम	सत्येनोत्तभिता से अमोऽहमस्मि अष्टादश काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 14 कंडिका	137	9	
6	षष्ठ	उदेहि वाजिन् से स प्राची दिशमानु पर्यन्त अष्टादश काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 15 से 28 कंडिका	137	9	
7	सप्तम	स संवत्सरमूर्ध्वोतिष्ठत् से योऽस्थ प्रथमोपान अष्टादश काण्ड 5 से 6 अनुवाक, 29 से 43 कंडिका	140	9	
8	अष्टम	अति सृष्टोऽपां से सप्तभि पराङ् पर्यन्त अष्टादश काण्ड 6 से 9 अनुवाक, 44 से 56 कंडिका	140	9	

9	नवम	ओचित् सखायम् से यो ममार प्रथमो पर्यन्त अष्टादश काण्ड 10 से 11 अनुवाक, 57 से 70 कंडिका	137	9	
10	दशम	अकर्म ते स्वपसो से यद् वो अग्नि पर्यन्त अष्टादश काण्ड 12 से 13 अनुवाक, 71 से 82 कंडिका	137	9	
11	एकादश	ॐ देवपात्रं वै से तदाहुः कि देवत्य गोपथब्राह्मण उत्तर भाग तृतीय प्रपाठक, 1 से 23 कंडिका कयानश्चित्र से तदाहुः किं षोडशिनः पर्यन्त गोपथब्राह्मण उत्तर भाग चतुर्थ प्रपाठक, 1 से 19 कंडिका		10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			1189 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण द्वितीयवर्ष (उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा XII समकक्ष)					
उनविंशति काण्ड, कंडिका 56, अनुवाक 14, मन्त्र संख्या 905 विंशति काण्ड, कंडिका 65, अनुवाक 10, मन्त्र संख्या 629					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम	दोषो गाय से शमीमश्वत्थ आरुढ पर्यन्त ऊनविंश काण्ड 1 से 3 अनुवाक, 1 से 12 कंडिका	153	9	प्रथम मास द्वितीया से प्रारम्भ होकर सप्तमी पर्यन्त गुरु छात्र को पढायेंगे। गुरु दो बार मन्त्रार्ध को उच्चारण करेंगे छात्र चार बार पढेंगे। नवमी से छात्रों को गुरु त्रयोदशी पर्यन्त स्वयं बैठकर सन्था करायेंगे। तृतीय सप्ताह में छात्र कण्ठस्थ करेंगे और चतुर्थ सप्ताह में गुरु को कण्ठस्थ सुनायेंगे। चतुर्थ सप्ताह से पूर्वपाठ की आवृत्ति चलेगी तत् पश्चात् नूतन पाठ पढाया जाएगा। ब्राह्मण भाग का कुछ विशेष, एक-दो कंडिका कण्ठस्थ करेंगे, सम्पूर्ण नहीं।
2	द्वितीय	अभित्वेन्द्र से न तं यक्ष्मा पर्यन्त ऊनविंश काण्ड 4 से 6 अनुवाक, 13 से 24 कंडिका	153	9	
3	तृतीय	यूपेरन्ते विद्वेषणं से दीर्घजिह्वा पर्यन्त ऊनविंश काण्ड 7 से 9 अनुवाक, 25 से 36 कंडिका	153	9	
4	चतुर्थ	अभित्वा शत से आवद् बहुलं पर्यन्त ऊनविंश काण्ड 10 से 13 अनुवाक, 37 से 48 कंडिका	153	9	
5	पञ्चम	इन्द्रं वयं वणिजं से विराडसि ऊनविंश काण्ड 14 अनुवाक, 49 से 56 कंडिका	157	9	
6	षष्ठ	धीति वा ये से उपह्वये सुदुघां पर्यन्त विंशति काण्ड 1 से 2 अनुवाक, 1 से 12 कंडिका	153	9	
7	सप्तम	स्वाहाकृतः से दूराद् भेषजमा पर्यन्त विंशति काण्ड 3 से 4 अनुवाक, 13 से 25 कंडिका	153	9	
8	अष्टम	सं मा भगेन से यद्यस्य प्रियया पर्यन्त विंशति काण्ड 5 से 6 अनुवाक, 26 से 38 कंडिका	15	9	
9	नवम	अपेहि तक्मंचर से उत्तभ्नामिक्षीरं गवांक्षीर पर्यन्त विंशति काण्ड 7 से 8 अनुवाक, 39 से 51 कंडिका	153	9	

10	दशम	रात्रीं रात्रीमप्रयातं से अयं पिण्डः विंशति काण्ड 8 अनुवाक, 52 से 65 कंडिका	153	9	
11	एकादश	अहर्वै देवा आश्रयन्त से यः श्वः स्तोत्रियमद्य स्त्रोत्रिस्यानुरूपं पर्यन्त गोपथब्राह्मण पंचम प्रपाठक, 1 से 15 कंडिका		5	
12	द्वादश	तान्वा एतान् से अथ दाध्रिकी शसति पर्यन्त गोपथब्राह्मण उत्तर भाग षष्ठ प्रपाठक, 1 से 16 कंडिका		5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			1534 मन्त्र	100 अंक	